● वर्ष-4
● अंक-171
रायपुर, बुधवार
26 फरवरी 2025
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6» छोटी सी तारीफ भी देती है बड़ी खुशी...

अब तक का सबसे बड़ा अनुपूरक बजट पारित

वित्तीय सुधार की दिशा में काम कर रही है छत्तीसगढ़ सरकारः चौधरी

छत्तीसगढ़ को वित्तीय सुधारों के कारण केन्द्र सरकार से मिली सर्वाधिक 6000 करोड़ की प्रोत्साहन राशि

ऋण की अग्रिम अदायगी के लिए 2250 करोड़ का प्रावधान

उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत देने 326.97 करोड़ औद्योगिक क्षेत्रों में 76 करोड़ से होंगे अधोसंरचनात्मक कार्य

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार का तृतीय अनुपूरक बजट आज विधानसभा में ध्वनिमत से पारित हुआ। वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने वर्ष 2024-25 के लिए 19762 करोड़ 12 लाख 42 हजार 523 रूपए का तृतीय अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। चर्चा पश्चात पारित हुए उक्त अनुपूरक बजट को मिलाकर वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य के बजट का आकार कुल 01 लाख 75 हजार 342 करोड़ रूपए का हो गया है। इसमें मुख्य बजट के रूप में पारित 1 लाख 47 हजार 446 करोड़, प्रथम अनुपूरक बजट में 7 हजार 329 करोड़ रूपए, द्वितीय अनुपूरक बजट में 805 करोड़ 71 लाख 74 हजार 286 रूपए और तृतीय अनुपूरक बजट में 19762 करोड़ 12 लाख 42 हजार 523 रूपए शामिल है।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने तृतीय अनुपूरक बजट पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर भरोसा करती है। सरकार बनने के 12 दिनों बाद ही मोदी जी की गारंटी के अनुरूप सरकार ने 12 लाख से अधिक किसानों को दो साल के बकाया बोनस राशि 3716

करोड़ रूपए का भुगतान किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने समर्थन मूल्य पर इस वर्ष 149 लाख टन धान की खरीदी की है, जो अपने आप में रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि 31 जनवरी को धान खरीदी समाप्त हुई और एक सप्ताह के भीतर 25 लाख 49 हजार किसानों के बैंक खाते में 12 हजार करोड़ रूपए का भुगतान एकमुश्त किया गया। पूरे देश में इतना बड़ा ट्रांजैक्शन किसान भाइयों के खाते में करने का अपने आप में इतिहास है, यह एक रिकॉर्ड है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि हमने

विभिन्न वित्तीय सुधारों के माध्यम से केंद्र सरकार से 6,000 करोड़ से अधिक की प्रोत्साहन राशि प्राप्त की है, जो देश में सर्वाधिक है। वित्तीय संतुलन बनाए रखने, पूंजीगत व्यय बढ़ाने व विकास योजनाओं को तेज करने की दिशा में यह बड़ा कदम है। पिछले सवा साल में छत्तीसगढ़ में गुड गवर्नेंस रहा है। यही कारण है कि छत्तीसगढ़ की जनता ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की नेतृत्व वाली सरकार पर भरोसा जताते हुए अपना लगातार समर्थन दिया है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने आगे कहा कि हम वित्तीय अनुशासन के साथ सुधारवादी बजट लेकर आए हैं। अनुपूरक बजट में वित्तीय अनुशासन व सुधारों के जरिए पुराने घाटों को भरने व ब्याज बचत करते हुए भुगतान-देनदारी निपटाने के लिए बड़ा प्रावधान किया गया है, ताकि विकास में कोई बाधा न आए। हमारा लक्ष्य सुव्यवस्थित वित्तीय प्रबंधन के साथ छत्तीसगढ़ को प्रगति की ऊंचाइयों तक ले जाना है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन,छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड और पुलिस हाउसिंग इन तीनों को मिलाकर लगभग 3500 करोड़ का लोन है, जो महंगे ब्याज दरों पर चल रहे हैं, इस अनुपूरक बजट में इन तीनों लोन का हम प्री पेमेंट कर रहे हैं। इससे प्रतिवर्ष 50 करोड़ से अधिक का ब्याज बचेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए राजनांदगांव जिले, जांजगीर-चांपा जिले एवं नवा रायपुर अटल नगर में फार्मास्यूटिकल पार्क की स्थापना के लिए अतिरिक्त बजट का प्रावधान किया गया है। औद्योगिक संस्थान, इंजीनियरिंग पार्क की स्थापना के लिए भी 76 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। रायपुर, नवा रायपुर, बिलासपुर में वर्किंग वूमेन हॉस्टल के निर्माण के लिए 34 करोड़ का प्रावधान किया गया है। तृतीय अनुपूरक बजट 2024-25 में पुलिस प्रशिक्षण शालाएं के लिए 3 करोड़, जिला चिकित्सालय के लिए 145 करोड़ रूपए, निवृत्ति वेतन भोगियों को देय 1 हजार 278 करोड़, परिवार पेंशन के लिए 320 करोड़, पुलिस 500 करोड़, राज्य सहकारी विपणन संघ को खाद्यान्न उपार्जन में हुई हानि का प्रतिपूर्ति 600 करोड़, लघु एवं लघुतम सिंचाई योजनाएं 125 करोड़, सेवा एवं मूल्य निवृत्ति पुरस्कार 37 करोड़, एनीकट/स्टापडेम का निर्माण 15 करोड़, नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के लिए 1 हजार 43 करोड़, नए औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना 195 करोड़, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र 86 करोड़, सड़कों के निर्माण कार्य हेतु लिए गए ऋण की अदायगी के लिए 2 हजार 250 करोड़, कृषि पंपो को निःशुल्क विद्युत प्रदाय हेतु अनुदान 2 हजार 200 करोड़, अन्तोदय अन्न योजनांतर्गत चना का प्रदाय 451 करोड़, उपभोक्ताओं को विद्युत शुल्क में राहत हेतु सब्सिडी 326 करोड़, राज्य सहकारी विपणन संघ को खाद्यान्न उपार्जन में हुए व्ययों की प्रतिपूर्ति 600 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

एक राष्ट्र एक चुनाव पर जेपीसी की बैठक, पीपी चौधरी बोले-

शंकाएं दूर हुईं, हम एक टीम के रूप में काम कर रहे

नई दिल्ली। एक राष्ट्र एक चुनाव पर जेपीसी की बैठक संसदीय सौध में आज संपन्न हुई। एक देश एक चुनाव पर जेपीसी के अध्यक्ष बीजेपी सांसद पीपी चौधरी ने कहा कि यह एक अच्छी मुलाकात थी। सभी सदस्यों का रुख सकारात्मक रहा। सबसे पहले जस्टिस अवस्थी ने प्रेजेंटेशन दिया। उनके बाद पूर्व सीजेआई यूयू ललित ने प्रेजेंटेशन दिया। सभी सदस्यों ने प्रस्तुतियों के लिए उनकी सराहना की। उनके सवालों का जवाब दिया गया। मैं समिति के सभी सदस्यों को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने सकारात्मक रवैया दिखाया और राष्ट्रहित में प्रश्न पूछे। शंकाएं दूर हो गईं। हम एक टीम के रूप में काम कर रहे हैं। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने दावा किया कि ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' (ओएनओई) विधानमंडलों के कार्यकाल के साथ छेड़छाड़ करके लोकतंत्र को कमजोर करेगा और लोगों के अधिकारों का हनन करेगा। सूत्रों ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक सहयोगी ने हैरानी जताई कि क्या दो चुनावों के बीच पांच साल का अंतराल निर्वाचित

प्रतिनिधियों की जनता के प्रति जवाबदेही को कमजोर करेगा? उच्चस्तरीय कोविंद समिति के सचिव आईएएस अधिकारी नितेन चंद्रा ने भी समिति के साथ अपने विचार साझा किये। अवस्थी ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने से होने वाली बचत और विकास को बढ़ावा मिलने के लाभों के बारे में विस्तार से बताया।

पच्चीस फरवरी की बैठक के लिए संसदीय समिति के एजेंडे को संक्षेप में ''कानूनी विशेषज्ञों के साथ बातचीत'' के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में मोदी सरकार ने 'एक राष्ट्र एक चुनाव' पर उच्च स्तरीय समिति का गठन किया था और इसने अपनी रिपोर्ट में इस अवधारणा का जोरदार समर्थन किया था।

रायपुर। छत्तीसगढ़ ने भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग, नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित प्रकृति परीक्षण अभियान में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त किया। राज्य ने स्ट्राइक रेट लक्ष्य में देशभर में तीसरा स्थान और कुल प्रकृति परीक्षण मानकों पर नौवां स्थान प्राप्त किया।

सीपीएम ने मोदी सरकार को फासीवादी मानने से किया इंकार

नई दिल्ली। केंद्र में मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की फासीवादी प्रवृत्ति को लेकर सीपीएम एक अजीब राजनीतिक दुविधा में फंस गई है। सीपीएम की ओर से अपनी राज्य इकाइयों को भेजे गए एक विस्तृत नोट में बताया गया है कि 24वीं पार्टी कांग्रेस के लिए उसके राजनीतिक प्रस्ताव के मसौदे में यह क्यों नहीं कहा गया है कि मोदी सरकार फासीवादी या नव-फासीवादी है या भारतीय राज्य को नव-फासीवादी राज्य के रूप में चिह्नित करें ने वाम मोर्चा में मतभेदों को बढ़ा दिया है। सीपीआई ने मांग की है कि उसका सहयोगी अपना रुख सही करे। नोट में कहा गया है, हम जो इंगित कर रहे हैं वह यह है कि बीजेपी, जो कि आरएसएस की राजनीतिक शाखा है, के 10 साल के निरंतर शासन के बाद, बीजेपी-आरएसएस के हाथों में राजनीतिक शक्ति का एकीकरण हुआ है, और इसके परिणामस्वरूप नव-फासीवादी विशेषताएं सामने आ रही हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि हिंदुत्व-कॉर्पोरेट सत्तावादी शासन है जो नव-फासीवादी विशेषताओं को प्रदर्शित करता है। हम यह नहीं कह रहे हैं कि मोदी सरकार फासीवादी या नव-फासीवादी सरकार है। न ही हम भारतीय राज्य को नव-फासीवादी राज्य के रूप में चित्रित कर रहे हैं। राजनीतिक प्रस्ताव के मसौदे का बचाव करते

हुए सीपीएम के वरिष्ठ नेता एके बालन ने आलोचकों को यह साबित करने की चुनौती दी कि मोदी सरकार स्वभाव से फासीवादी है। बालन ने स्पष्ट किया कि हमारे आकलन में, पार्टी ने कभी भी भाजपा सरकार को फासीवादी शासन नहीं कहा है। हमने कभी नहीं कहा कि फासीवाद आ गया है। एक बार फासीवाद हमारे देश में पहुँच जायेगा तो राजनीतिक ढाँचा बदल जायेगा। सीपीआई और सीपीआई (एमएल) का मानना है कि फासीवाद आ गया है।

हालाँकि, फासीवाद विवाद विपक्षी कांग्रेस के लिए काम आया है, जो शशि थरूर विवाद से जूझ रही है। विपक्ष के नेता वी डी सतीसन ने आरोप लगाया कि सीपीएम की नई स्थिति संघ परिवार के निर्देशों का पालन करने के उसके फैसले का हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी केवल अपने अस्तित्व के लिए नई खोज लेकर आई है। राज्य के पोलित ब्यूरो सदस्यों ने इस तरह का दस्तावेज़ लाने के पार्टी के फैसले का नेतृत्व किया। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य रमेश चेन्निथला ने आरोप लगाया है कि सीपीएम का मसौदा प्रस्ताव जिसमें कहा गया है कि मोदी सरकार फासीवादी नहीं है, आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा के वोट सुरक्षित करने के लिए एक रणनीतिक कदम है।

प्रमुख समाचार

आतिशी का दावा, कैग रिपोर्ट में की शराब नीति की तारीफ

नई दिल्ली। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी नेता आतिशी ने मंगलवार को कैग की रिपोर्ट में राष्ट्रीय राजधानी के खजाने को 2002 करोड़ से अधिक के नुकसान का दावा करने के बाद रद्द की गई नई शराब नीति का बचाव करते हुए कहा कि ऑडिट दस्तावेज़ ने पुरानी शराब नीति के तहत भ्रष्टाचार को उजागर किया है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली के लोगों को नुकसान हुआ क्योंकि पड़ोसी राज्यों से अवैध रूप से शराब लाई जा रही थी। सीएम रेखा गुप्ता द्वारा आज दिल्ली विधानसभा में पेश की गई सीएजी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पिछली सरकार के फैसलों और शराब नीति के कारण राष्ट्रीय राजधानी के खजाने को 2002 करोड़ रुपये से अधिक का संचयी नुकसान हुआ। आतिशी ने कहा कि इस रिपोर्ट ने हमारी बात पर मुहर लगा दी है। शराब कितनी बिक रही थी, इसमें भ्रष्टाचार था। यह रिपोर्ट बताती है कि 28 फीसदी से ज्यादा भ्रष्टाचार ठेकेदार कर रहे थे और पैसा दलालों की जेब में जा रहा था। इस रिपोर्ट से पता चलता है कि शराब की कालाबाजारी हो रही थी और सबको पता था कि शराब के ठेके किस पार्टी के लोगों के पास हैं।

योगी को महाकुंभ के दौरान मारे गए लोगों के परिवारों को मुआवजा देना चाहिएः ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महाकुंभ के दौरान भगदड़ में कई लोगों की मौत होने का आरोप लगाते हुए मांग की कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार पीड़ितों के परिवारों के लिए घोषित मुआवजा तत्काल जारी करे। बनर्जी ने इस दावे पर भी सवाल उठाया कि इस वर्ष महाकुंभ मेला 144 वर्षों के अंतराल के बाद हो रहा है तथा उन्होंने विशेषज्ञों से इस दावे की सत्यता की जांच करने का आग्रह किया। बनर्जी ने यहां राज्य सचिवालय में संवाददाताओं से कहा, ''मैं उत्तर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग करती हूं कि चूंकि उन्होंने कुंभ मेले में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की है, इसलिए उन्हें तत्काल यह राशि जारी करनी चाहिए।'' उत्तर प्रदेश सरकार ने कुंभ मेले के दौरान भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को 25-25 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की थी।

भाषा युद्ध के बीज बो रहा है केंद्र हिंदी नहीं थोपने देंगे-स्टालिन

नई दिल्ली। तमिलनाडु में भाषा को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने आज एक बार फिर से केंद्र पर हिंदी थोपने का आरोप लगाया और कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो राज्य एक और भाषा युद्ध के लिए तैयार है। उनकी टिप्पणी केंद्र की तीन-भाषा नीति पर बढ़ती चिंताओं के बीच आई है। स्टालिन ने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित एक पत्र में कहा, ''यही कारण है कि हम द्विभाषी नीति (तमिल और अंग्रेजी) का पालन कर रहे हैं।'' उन्होंने दावा किया कि भारत के कई राज्यों ने नीति पर तमिलनाडु द्वारा निर्धारित मार्ग और उसके दृढ़ रुख को समझा है और उन्होंने अपनी चिंताएं व्यक्त करना शुरू कर दिया है। एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ने लगातार तीन-भाषा नीति का विरोध किया है। सत्तारूढ़ दल ने बार-बार 1965 के हिंदी विरोधी आंदोलन का हवाला दिया है, जिसके दौरान द्रविड़ आंदोलन ने हिंदी थोपने का सफलतापूर्वक विरोध किया था।

अंतरिम सरकार के सूचना सलाहकार नाहिद का इस्तीफा

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सूचना सलाहकार और छात्रों के आंदोलन के प्रमुख नेता नाहिद इस्लाम ने मंगलवार को मोहम्मद यूनुस की कैबिनेट से इस्तीफा दिया। इस्तीफा देने के बाद उन्होंने बताया कि वह जल्द ही एक नई सियासी पार्टी बनाने वाले हैं, जिसका नेतृत्व वे कार्यकर्ता करेंगे, जो पिछले साल जुलाई की उथल-पुथल के दौरान सक्रिय थे। उन्होंने अपना इस्तीफा बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस को सौंपा। नाहिद इस्लाम ने मीडिया से बातचीत में कहा, देश की मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए एक नई राजनीतिक ताकत का उभरना जरूरी है। मैंने सलाहकार परिषद से इस्तीफा इसलिए दिया है, ताकि मैं सड़क पर रहकर जन आंदोलन को मजबूत कर सकूं। नाहिद इस्लाम पिछले साल जुलाई महीने में प्रदर्शन का नेतृत्व करने वालों में से एक थे। इन प्रदर्शनों के कारण अवामी लीग के नेतृत्व वाली सरकार का पतन हुआ और शेख हसीना को प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा देकर भारत भागना पड़ा। इस्लाम ने कहा कि सड़क पर उनका काम सरकार में रहने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है और वह लोकतांत्रिक बदलाव के लिए लोगों की आकांक्षाओं के साथ काम करना चाहते हैं, इसलिए उन्होंने सूचना सलाहकार का पद छोड़ा।

यूनाइटेड किंगडम ने रूस पर लगाए सबसे बड़े प्रतिबंध

नई दिल्ली। लेबर पार्टी के नेतृत्व वाली यूनाइटेड किंगडम सरकार ने रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के तीन साल पूरे होने के बाद रूस के खिलाफ 100 से अधिक नए प्रतिबंधों के सबसे बड़े प्रतिबंध पैकेज की घोषणा की है। यूके सरकार ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि राष्ट्रपति पुतिन के यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के तीन साल बाद, ब्रिटेन ने आज उन लोगों को सीधे तौर पर निशाना बनाते हुए 100 से अधिक नए प्रतिबंध लगाए हैं जो आक्रमण में सहायता करना जारी रखते हैं। 107 नए प्रतिबंधों की घोषणा की गई क्योंकि ब्रिटेन ने आक्रमण के शुरुआती दिनों के बाद से अपना सबसे बड़ा प्रतिबंध पैकेज जारी किया है। यूके सरकार ने कहा कि मील का पत्थर पैकेज रूसी सैन्य आपूर्ति श्रृंखलाओं, पुतिन के अवैध युद्ध को बढ़ावा देने वाले राजस्व और क्रेमलिन के लिए मुनाफा कमाने वाले क्लेप्टोक्रेट्स को लक्षित करता है। बयान में कहा गया है कि उनका लक्ष्य यूक्रेन के हाथों को मजबूत करना है, जिससे एक सुरक्षित और समृद्ध यूरोप और यूके का निर्माण करने में मदद मिलेगी - जो सरकार की परिवर्तन योजना की नींव है। इसमें कहा गया है, आज के उपायों का लक्ष्य पुतिन के युद्ध भंडार में जाने वाले धन और रूस की भ्रष्टाचारी व्यवस्था को बढ़ावा देना होगा।

25 रुपये में महाशिवरात्रि पर सोमनाथ महादेव को चढ़ाइए बिल्व पत्र

अमित शर्मा

प्रथम ज्योतिर्लिंग भगवान सोमनाथ महादेव का मंदिर गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में है। महाशिवरात्रि पर यहां बिल्व पत्र चढ़ाना बहुत शुभ और सर्वकार्यसिद्धि कराने वाला माना जाता है। लेकिन यदि व्यस्तता या किसी अन्य कारण से आप महाशिवरात्रि पर सोमनाथ नहीं पहुंच सकते तो तकनीक ने इस काम को आसान कर दिया है। आप सोमनाथ मंदिर के ट्रस्ट की वेबसाइट पर जाकर केवल 25 रुपये में सोमनाथ महादेव को बिल्व पत्र अर्पित कर सकते हैं। आपकी तरफ से भुगतान होने के बाद तय मुहूर्त में सोमनाथ मंदिर के पुजारी और अन्य कर्मचारी आपकी तरफ से भगवान सोमनाथ महादेव को बिल्व पत्र अर्पित करेंगे और इसका पुण्य आपको प्राप्त होगा।

सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट से मिली जानकारी के अनुसार अब तक 3.5 लाख से अधिक लोगों ने महाशिवरात्रि पर भगवान सोमनाथ को बिल्व पत्र चढ़ाने के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया है। इसमें देश के हर कोने से लोग शामिल हैं। बड़ी संख्या में विदेशों में रह रहे भारतीयों और सनातन धर्म में विश्वास रखने वाले लोगों ने बिल्व पत्र पूजा के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया है।

लोगों में ऑनलाइन दर्शन-पूजा का बढ़ता चलन देखते हुए सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट ने ऑनलाइन पूजा के कई विकल्प उपलब्ध कराए हैं। इसमें 25 रुपये में भगवान सोमनाथ महादेव को बिल्व पत्र अर्पित करने के साथ-साथ 200 रुपये में रुद्राभिषेक पूजा सहित दर्जनों विकल्प मौजूद हैं। भक्त अपनी रुचि के अनुसार किसी भी पूजा के अनुसार भुगतान कर अपने नाम से मंदिर परिसर में पूजा करवा सकते हैं। इस शुल्क में भक्तों के नाम से पूजा करवाने के साथ साथ उनके घर पर मंदिर का प्रसाद भेजना भी शामिल है।

सोमनाथ महादेव मंदिर में एक विशेष पूजा पार्थिवेश्वर महादेव की भी की जाती है। इसमें सोमनाथ मंदिर के निकट अरब सागर के तट के किनारे बालू से भगवान का शिवलिंग स्थापित किया जाता है और उसकी पूजा की जाती है। पूजा के पश्चात सब कुछ उसी मिट्टी में मिला दिया जाता है। यह इस बात का संकेत है कि मनुष्य पांच तत्त्वों से मिलकर बना है और अपनी इहलीला समाप्त करने के बाद मानव इन्हीं पंचभूतों में समाहित हो जाता है और स्वयं मृत्यु के देवता भगवान शिव के श्री चरणों को प्राप्त हो जाता है।

महाशिवरात्रि की सुबह चार बजे से ही भगवान शिव की पूजा-अर्चना शुरू हो जाएगी। भगवान सोमनाथ महादेव पूरे दिन भक्तों को दर्शन देते रहेंगे। महाशिवरात्रि के चारों प्रहर में भगवान की विशेष पूजा और विशेष आरती की जायेगी। यह दर्शन-पूजा अनवरत 42 घण्टे तक चलती रहेगी। इस दौरान दिन-रात भक्त दर्शन और प्रसाद चढ़ा सकेंगे।

पिछले वर्ष के महाशिवरात्रि के अवसर पर सोमनाथ मंदिर महादेव में लगभग 1.5 लाख लोग आए थे। बेहद छोटी आबादी वाले मंदिर के स्थानीय शहर के लिए यह संख्या भी बड़ी थी। लेकिन इस वर्ष सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट ने मंदिर के पास ही विशेष महोत्सव की शुरुआत की है। ऐसे में अनुमान है कि इस वर्ष यहां पहुंचने वाले भक्तों की संख्या कई गुनी बढ़ सकती है।

महाशिवरात्रि पर भक्तों की भारी भीड़ का अनुमान देखते हुए ट्रस्ट और स्थानीय प्रशासन सतर्क हो गया है। सुरक्षा में लगे अधिकारियों की संख्या दोगुनी कर दी गई है। भारी भीड़ होने पर भक्तों को सुरक्षा चक्र के कई घेरे से गुजरना होगा जिससे किसी तरह की अनहोनी न होने पाए। महाशिवरात्रि के अवसर पर वीआईपी के कारण कोई अव्यवस्था न उतपन्न हो, इसके लिए विशेष व्यवस्था की गई है। वीआईपी लोगों के लिए एक अलग लाइन बनाई गई है लेकिन वे भी सामान्य लोगों के साथ-साथ ही दर्शन करेंगे।

चारधाम यात्रा में जीरो डेथ की रणनीति

देहरादून। चारधाम यात्रा में तीर्थयात्रियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए जल्द ही एसओपी जारी होगी। इस बार स्वास्थ्य विभाग यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों की जीरो डेथ की रणनीति तैयार कर रहा है। यात्रा मार्गों पर मेडिकल रिस्पांस पोस्ट (एमआरपी) व स्क्रीनिंग प्वाइंट की संख्या बढ़ाई जाएगी। यात्रा पंजीकरण के दौरान तीर्थयात्रियों को अपनी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी देनी होगी। मंगलवार को सचिवालय में सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर राजेश कुमार ने चारधाम यात्रा में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की तैयारियों को लेकर पहली बैठक ली। यात्रा के दौरान 200 डॉक्टरों व पैरामेडिकल स्टाफ को रोटेशन के आधार पर तैनात किया जाएगा।

ब्लास्ट फर्नेस-8 ने 17 मिलियन टन हॉट मेटल उत्पादन का बनाया रिकार्ड

भिलाई। सेल में सबसे तेज गति से उत्पादन करने की उपलब्धि सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की मोडेक्स यूनिट, ब्लास्ट फर्नेस-8 (महामाया), ने 23 फरवरी को 17 मिलियन टन हॉट मेटल उत्पादन कर नया मील का पत्थर पार हासिल किया। ब्लास्ट फर्नेस-8 ने 16 मिलियन टन से 17 मिलियन टन की यात्रा को 126 दिन के रिकॉर्ड समय में पूरा कर एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया, जबकि इससे पूर्व अगले 1 मिलियन टन का 133 दिनों में प्राप्त किया गया था। ब्लास्ट फर्नेस बिरादरी ने अपना अगला लक्ष्य 17 से 18 मिलियन टन उत्पादन का 125 दिनों से कम समय में पूरा करने का निश्चय किया है।

02 फरवरी 2018 को कमीशनिंग के बाद से, सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र का ब्लास्ट फर्नेस-8, केवल 2,579 दिनों में 17 मिलियन टन संचयी उत्पादन कर सेल की अन्य इकाइयों के समान क्षमता वाले फर्नेसों से बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहा। उल्लेखनीय है कि सेल-राउरकेला स्टील प्लांट (आरएसपी) के ब्लास्ट फर्नेस-5 ने 17 मिलियन टन संचयी उत्पादन 2,674 दिनों में, वहीं सेल-इसको स्टील प्लांट (आईएसपी) के ब्लास्ट फर्नेस-5 ने 2,985 दिनों में पूरा किया था। इस प्रकार भिलाई स्टील प्लांट का ब्लास्ट फर्नेस-8, आरएसपी के ब्लास्ट फर्नेस-5 से 95 दिन पहले और आएसपी के ब्लास्ट फर्नेस-5 से 406 दिन पहले 17 मिलियन टन संचयी उत्पादन के मील का पत्थर को पार करने के साथ ही ब्लास्ट फर्नेस-8 सेल में सबसे तेज क्षमता हासिल करने वाला फर्नेस बन गया है।

17 मिलियन टन संचयी उत्पादन के महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) श्री राकेश कुमार ने शॉप फ्लोर पर पहुंचकर ब्लास्ट फर्नेस-8 टीम को बधाई दी और केक काटकर जश्न मनाया। उन्होंने इस उपलब्धि में योगदान देने वाली टीमवर्क और समन्वय की सराहना की। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (आयरन) श्री तापस दासगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (एम एंड यू) श्री बी. के. बेहेरा, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएं) श्री तुषार कांत, मुख्य महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेसेस) श्री मनोज कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-2), श्री एस. के. घोषाल, मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-3) श्री प्रमोद कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (सिंटर प्लांट्स), श्री ए. के. दत्ता, मुख्य महाप्रबंधक (पीबीएस) श्री राजीव पांडे, मुख्य महाप्रबंधक (कोक ओवन) श्री तुलाराम बेहेरा, महाप्रबंधक प्रभारी (मेकेनिकल) श्री एस. हालदार सहित संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारीगण तथा आरएमडी, ओचएचपी व प्लांट गैराज विभाग के सदस्य उपस्थित थे।

बस्तर की समृद्ध लोक संस्कृति को विश्व पटल पर स्थापित करने का हो रहा सार्थक प्रयास : सांसद कश्यप

जगदलपुर। दो दिवसीय चित्रकोट महोत्सव के शुभारंभ कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बस्तर सांसद महेश कश्यप ने कहा कि चित्रकोट महोत्सव केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि बस्तर की समृद्ध लोक संस्कृति को वैश्विक मंच पर स्थापित करने का एक सशक्त माध्यम बन गया है। यह आयोजन न केवल बस्तर की पहचान को नए आयाम दे रहा है, बल्कि प्रदेश के कलाकारों सहित स्थानीय कलाकारों को भी अपनी कला को प्रस्तुत करने का बेहतर मंच प्रदान कर रहा है। साथ ही यहां के युवाओं को खेलकूद और अन्य रचनात्मक गतिविधियों में सहभागिता निभाने के लिए सुअवसर मिल रहा है। बस्तर की सांस्कृतिक विरासत को संजोने और उसे विश्व पटल पर स्थापित करने की यह पहल निस्संदेह एक प्रेरणादायक कदम है, जो आने वाले वर्षों में और भी व्यापक स्वरूप लेगी।

सांसद कश्यप ने कहा कि जनता की विश्वास, शान्ति और सुरक्षा सहित विकास की जवाबदेही सरकार की है,साथ ही कला-संस्कृति, परम्परा और रीति-रिवाज के संरक्षण की जिम्मेदारी है। इसी अनुक्रम में आयोजित यह चित्रकोट महोत्सव बस्तर की पहचान को एक नए आयाम प्रदान कर रही है। बस्तर को संवारने के लिए सरकार हरसम्भव पहल कर रही है और आगामी दिनों में समूचे बस्तर में अमन-चैन एवं शान्ति स्थापित होगी और बस्तर के चंहुमुखी विकास में हम सभी सहभागिता निभाएंगे।

कवर्धा में नए कानून के खिलाफ वकीलों का हल्ला बोल

कवर्धा। कवर्धा के अदालत में काम करने वाले वकीलों ने नए कानून के खिलाफ सख्त रूप अख्तियार कर लिया है। कोर्ट में काम बंद कर वकील कोर्ट के बाहर धरने पर बैठ गए हैं। कबीरधाम जिला अधिवक्ता संघ के बैनर तले सभी वकील मोर्चा खोले बैठे हैं। इस दौरान वकीलों ने नारेबाजी की और विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन का उद्देश्य केंद्र सरकार के प्रस्तावित नए कानून बिल के संशोधन का विरोध करना है।

प्रदर्शन कर रहे वकीलों की मांग है कि नए कानून संशोधन बिल को वापस लिया जाए और कानून को यथावत रखा जाए। नए कानून के लागू होने पर वकीलों के अधिकारों में कमी आएगी। जिससे वे अपने पक्षकार की बात सही तरीके से अदालत में नहीं रख पाएंगे। प्रदर्शन कर रहे वकीलों का कहना है कि नया कानून लागू होने से केवल एलएलबी डिग्रीधारी व्यक्ति ही नहीं, बल्कि जो लोग निजी कंपनियों में काम करते हैं, वे भी अधिवक्ता के श्रेणी में आ जाएंगे। इस तरह के संशोधन से पेशेवर अधिवक्ताओं के अधिकारों का उल्लंघन होगा। कवर्धा अधिवक्ता संघ के जिला अध्यक्ष पोखराज सिंह ने कहा नया कानून लागू होने से वकीलों को एक फॉर्मेट के अनुसार कार्य करने के लिए बाध्य होना होगा। नए कानून से हमारे अधिकारों में कमी आएगी। हम अपने पक्षकार की बात सही से कोर्ट में नहीं रख पाएंगे।

नए कानून बिल के संशोधन और उसे लागू करने की सूरत में वकीलों ने सरकार को चेतावनी दी है। वकीलों ने कहा है कि अगर हमारी मांगें नहीं मानी गई तो हम सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। इस सभी घटनाओं की जवाबदेही सरकार की होगी।

बोर्ड परीक्षाओं में बड़ी लापरवाही आई सामने

परीक्षा केंद्रों को बांटी गई वर्ष 2024 की उत्तर पुस्तिका

गौरेला पेंड्रा मरवाही। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित होने वाली बोर्ड परीक्षाओं के लिए प्रशासन की तैयारियां अंतिम चरण में है 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के लिए प्रशासन ने 1 मार्च से परीक्षाएं लेने की तिथि निर्धारित कर दी गई है जिसकी लिए प्रवेश पत्र वितरण भी अंतिम चरण में है।

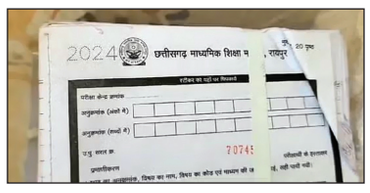

वहीं उत्तर पुस्तिकाओं एवं प्रश्न पत्रों का वितरण भी किया जाना है जो समन्वय केंद्र के प्रभारियों के द्वारा अलग-अलग केंद्रों को वितरित किया जा रहा है, पर इस वितरण में एक बड़ी लापरवाही सामने आई है जिसमें मल्टीपरपज हायर सेकेंडरी स्कूल पेंड्रा के प्राचार्य जो बोर्ड परीक्षाओं के समन्वय केंद्र प्रभारी हैं ने वितरण में बड़ी त्रुटी करते हुए वर्तमान वर्ष 2025 की उत्तर पुस्तिकाओं की जगह बीते वर्ष 2024 की उत्तर पुस्तिकाएं वितरित कर दी।

यह उत्तर पुस्तिकाएं टीकर हायर सेकेंडरी स्कूल गौरेला, गुरुकुल हायर सेकेंडरी स्कूल गौरेला, एवं सेमरदर्री हायर सेकेंडरी स्कूल मरवाही को प्रति केंद्र 1000 - 1000 वितरित की गई, इन केन्द्रों में जब कॉपियों की जांच की गई तो इस बड़ी त्रुटि का पता चला जिसके बाद इसकी जानकारी समन्वय केंद्र प्रभारी को दी गई, जिसके बाद उन्होंने आदेश निकालकर संबंधित स्कूलों से तुरंत कॉपी जमा करने को कहा , आदेश का परिपालन करते हुए इन सभी स्कूलों से आनन -फानन में कॉपियां वापस जमा की गई... यदि समय रहते इस त्रुटि का पता नहीं चलता तो छात्रों का भविष्य खराब हो सकता था , क्योंकि बीते वर्ष 2024 की उत्तर पुस्तिकाओं में लिखा गया उत्तर 2025 की बोर्ड परीक्षा में मान्य नहीं किया जाता।

ऐसे में छात्रों के भविष्य के साथ बड़ा खिलवाड़ हो जाता, मामले में प्रशासन की ओर से परीक्षा प्रभारी बनाए गए संयुक्त कलेक्टर जिम्मेदारी तय करने की बात कह रहे हैं साथ ही यह कह रहे हैं कि इसमे समन्वय प्रभारी एवं केंद्र प्रभारी दोनों को कॉपियां देखकर लेनी एवं देनी चाहिए थी फिर भी प्रशासन इसमें जिम्मेदारी तय करेगा।

एएसआई ने पुलिस नौकरी छोड़ी और पंचायत चुनाव लड़कर सरपंच बना

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा पंचायत चुनाव के तीसरे चरण में नक्सलियों से लोहा लेने वाले एएसआई ने भी चुनाव लड़ा। एएसआई ने चुनाव जीता और चुनाव जीतने के बाद सोमवार को दंतेश्वरी मंदिर पहुंचकर मां का आशीर्वाद लिया।

एएसआई का नाम सोमारू कडती है। जिसने साल 2014 में पुलिस विभाग में आरक्षक के पद पर ड्यूटी ज्वाइन की। साल 2024 तक आरक्षक से एएसआई के पद तक पहुंचा। सरपंच बनने की इच्छा शुरू से मन में थी। साथ ही अपने गांव की बदहाली भी लगातार उनकी आंखों के सामने थी, लिहाजा पुलिस की नौकरी छोड़ी और साल 2025 में पंचायत चुनाव में निर्दलीय खड़े हो गए। गांव वालों ने भी सोमारू कड़ती पर विश्वास जताया और पंचायत चुनाव में जीत दिलाई। सोमवार को सोमारू कडती और सभी जीते हुए प्रत्याशी मां दंतेश्वरी का आशीर्वाद लेने मां के दरबार पहुंचे और गांव की सुख समृद्धि और विकास का आशीर्वाद मांगा।

सोमारू कडती ने बताया कि उनके क्षेत्र के युवा अब काफी जागरूक हो गए हैं। वे खुद अलग अलग परीक्षा देकर पुलिस, बीएसएफ, सीआरपीएफ, बस्तर फाइटर्स सहित कई सिक्योरिटी फोर्स में अपनी मर्जी से आ रहे हैं और बढ़चढ़ कर काम कर रहे हैं। लेकिन ये भी देखा गया कि उनके गांवों का विकास नहीं हुआ। जिसके बाद उन्होंने पुलिस की नौकरी छोड़ी और पंचायत चुनाव लड़ने का फैसला किया।

कडती ने बताया कि सरपंच ग्राम पंचायत मदाडी और जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक 8 के लिए निर्दलीय दावेदारी की। क्षेत्र की जनता ने उन्हें भारी मतों से विजयी बनाया। जिसके लिए वह ग्रामीणों के आभारी है। उनका काम अब गांव का विकास करना है। क्षेत्र के विकास के लिए सत्ता पक्ष या विपक्ष में रहने की कोई जरूरत नहीं है वे निर्दलीय रहकर अपने गांव का और क्षेत्र का विकास करेंगे।

महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने बिलासपुर रेलवे स्टेशन का किया निरीक्षण

बिलासपुर। तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने बिलासपुर रेलवे स्टेशन का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा की और विभिन्न सुविधाओं तथा प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को यह निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों के दौरान यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

निरीक्षण के दौरान श्री तरुण प्रकाश ने स्टेशन परिसर, निर्माणाधीन पार्किंग, गेट नंबर 1 एवं 4 का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए आवश्यक साइनेज की सुनिश्चता की लगातार निगरानी करें। स्टेशन प्रवेश तथा अन्य सेवाओं को व्यवस्थित रखा जाए, जिससे यात्रियों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। इसके साथ ही, उन्होंने द्वितीय श्रेणी प्रतीक्षालय (वेटिंग रूम) का भी निरीक्षण किया और उसकी स्वच्छता एवं यात्री सुविधाओं की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

महाप्रबंधक ने प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर स्थित रेलवे स्टेशन के 3डी मॉडल का अवलोकन किया। उन्होंने पुनर्विकास कार्य के दौरान रिजर्वेशन काउंटर को बंगला यार्ड के पास स्थानांतरित किए जाने की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया तथा यात्रियों को असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, श्री तरुण प्रकाश ने स्टेशन के दूसरी ओर स्थित सेकंड एंट्री का भी विस्तारपूर्वक निरीक्षण किया और वहां की यात्री सुविधाओं का मूल्यांकन किया। उन्होंने रेलवे अधिकारियों को कार्यों की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों तथा समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

महाप्रबंधक ने पुनर्विकास कार्यों में तेजी लाने और यात्रियों की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने स्टेशन पर यात्री अनुकूल संरचनाओं, स्वच्छता और बेहतर सेवाओं को सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर श्री प्रवीण पाण्डेय, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक, मण्डल रेल प्रबन्धक, बिलासपुर सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई और स्टेशन को और अधिक आधुनिक एवं सुविधाजनक बनाने के लिए सुझाव साझा किए गए।

प्रमुख समाचार छत्तीसगढ़

पत्नी की हत्या के आरोपी पति को आजीवन कारावास

कांकेर। पटौद गांव में पति द्वारा पत्नी की हत्या का मामला में आरोपी पति मनिकांत कुंजाम ने अपनी पत्नी अनूपा कुंजाम उम्र 25 वर्ष की हत्या कर आत्महत्या का रूप देने के लिए 25 दिसंबर 2023 को गांव के हाई स्कूल के सामने इमली के पेड़ में महिला का शव लटका दिया। गांव के महेंद्र सलाम ने इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी। जांच में पता चला कि मृतका के चेहरे और हाथों पर चोट के निशान थे। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़े होते थे। आरोपी पति घटना के बाद फरार हो गया था। पुलिस ने आरोपी पति मनिकांत कुंजामको नारायणपुर के फरसगांव थाना क्षेत्र के दंडवन गांव से गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। प्रधान सत्र न्यायाधीश आनंद कुमार ध्रुव की अदालत में मामले की सुनवाई हुई। शासकीय अधिवक्ता ईश्वर लाल साहू ने पैरवी की। न्यायालय ने आरोपी पति मनिकांत कुंजाम को आजीवन कारावास और 500 रुपए का अर्थदंड, धारा 201 में 3 साल का सश्रम कारावास और 200 रुपए का अर्थदंड की सजा सुनाई है।

पिकअप को कार ने मारी टक्कर, 12 लोग घायल

धमतरी। धमतरी के नेशनल हाईवे 30 पर तेज रफ्तार कार ने एक पिकअप को टक्कर मार दी। इस हादसे में 12 लोग घायल हो गए। घायलों में 2 महिलाएं और एक पुरुष है। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। मौके पर राहत बचाव कार्य चलाया गया। पिकअप में सवार लोग जो घायल हो गए उन्हें तत्काल प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराई गई। उसके बाद उन्हें दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह हादसा धमतरी में नेशनल हाईवे 30 पर संबलपुर बाईपास के पास हुआ। जैसे ही कार ने पिकअप को टक्कर मारी। पिकअप पलट गया। बताया जा रहा है कि पिअकप में सवार लोग रामधुनी प्रोग्राम के लिए जा रहे थे। उसी दौरान यह हादसा हुआ। घायलों को आनन फानन में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी का इलाज शुरू हो गया है। धमतरी पुलिस इस केस की जांच में जुट गई है। शुरुआती जांच में पता चला है कि सभी घायल लोग पेरपार के रहने वाले हैं।

काला तेंदुआ दंतेश्वरी मंदिर की पहाड़ी पर आया नजर

राजनांदगांव। छुरिया दंतेश्वरी मंदिर की पहाड़ी पर काले रंग का तेंदुआ बैठा हुआ लोगों को नजर आया है। स्थानीय लोगों ने तेंदुए का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर भी किया है। राजनांदगांव वन विभाग की टीम को जब वीडियो मिला तो वो भी हरकत में आई। डीएफओ के निर्देश पर एक टीम मौके पर पहुंची। डीएफओ आयुष जैन का कहना है कि वन विभाग की टीम को वहां पर तेंदुए की मौजूदगी के कोई निशान नहीं मिले हैं। फिलहाल वन विभाग की टीम इलाके में तेंदुए के लिए सर्च ऑपरेशन चला रही है। वन विभाग की टीम ने तेंदुए की मौजूदगी को जानने के लिए पहाड़ी पर कैमरा भी लगाया है। वन विभाग के लगाए कैमरे में अभी तक काले रंग का कोई तेंदुआ नहीं कैच हुआ है। वन विभाग एहतियात के तौर पर आस पास के इलाके में भी तेंदुए की तलाश कर रहा है। डीएफओ आयुष जैन ने कहा बीते दिनों एक वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो में काले रंग का तेंदुआ पहाड़ी पर बैठा दिखा है। जहां पर ब्लैक लेपर्ड बैठा है वो इलाका छुरिया के दंतेश्वरी मंदिर का क्षेत्र है।

ज्यादा पैसे के चक्कर में गंवाए 14.25 लाख, दो गिरफ्तार

बिलासपुर। बिलासपुर में शेयर ट्रेडिंग एप से ज्यादा पैसे कमाने का झांसा देकर शहर के युवक से करीब 14.25 लाख के धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने व्हाट्सएप ग्रुप बनाया था। जिसमें लोगों को जोड़कर अवैध वसूली करते थे। फिलहाल, पुलिस पूछताछ में सभी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। वहीं आरोपियों के कब्जे से मोबाइल सिम कार्ड, एटीएम, पैन कार्ड, आधार कार्ड पुलिस ने जब्त किए हैं।। दरअसल एसीसीयू, एएसपी अनुज गुप्ता और सिविल लाइन सीएसपी निमितेश सिंह ने बताया कि मंगला चौक के पास शांति नगर में रहने वाले श्याम सुंदर प्रसाद ने अपने साथ हुए धोखाधड़ी की शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि 5 से 27 जनवरी के बीच शेयर ट्रेडिंग में तीन गुना लाभ होने के नाम पर उससे करीब 14.25 ऑनलाइन ठगी की शिकायत की गई थी। मामले में साइबर रेंज थाने में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई।

सांसद के काफिले ने बाइक सवार युवकों को मारी टक्कर

कांकेर। कांकेर में सांसद भोजराज नाग के काफिले में चल रही कार ने बाइक सवार तीन युवकों को जोरदार ठोकर मार दी। हादसे में तीनों युवकों की मौत हो गई है, जबकि फॉलो वाहन में सवार एक प्रधान आरक्षक भी घायल हुआ है। कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सासंद भोजराज नाग भानुप्रतापपुर क्षेत्र से कार्यक्रम में शामिल होकर वापस अंतागढ़ लौट रहे थे तभी पोड़गांव के पास काफिले में शामिल बोलेरो वाहन ने बाइक सवार तीन युवकों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो युवकों ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है। घटना के बाद सांसद भोजराज नाग खुद भी अंतागढ़ के स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे थे। अंतागढ़ एसडीओपी शुभम तिवारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है, दुर्घटना कैसे हुई ये जांच के बाद ही साफ हो सकेगा।

उपजेल में मारपीट और अवैध वसूली के मामले में हुई सुनवाई

3 अप्रैल तक हाईकोर्ट ने डीजीपी से शपथपत्र के साथ मांगा जवाब

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सारंगढ़ उपजेल में कैदी से पिटाई और अवैध वसूली को लेकर लिए स्वतः संज्ञान लिया था। कोर्ट इस मामले को जनहित याचिका के रूप में स्वीकार याचिका पर लगातार सुनवाई कर रही है। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रमेश कुमार सिन्हा और न्यायाधीश रविन्द्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच में आज सुनवाई हुई, जिसमें प्रदेश सरकार से हलफनामे पर इस पूरे मामले में जेलकर्मियों पर कार्रवाई को लेकर महाधिवक्ता ने जवाब दिया। वहीं पूर्व आदेश के परिपालन में बताया गया कि मामले में अभी तक 3 लोगों की जांच चल रही है। 2 लोगों को बरी किया गया है। अब हाईकोर्ट ने डीजीपी से 3 अप्रैल का समय देते हुए नया शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है।

15 जनवरी 2025 को सुनवाई के दौरान

शपथपत्र में जवाब में कहा था कि 10 व्यक्तियों के विरुद्ध शुरू की गई जांच में, एक दोषी कर्मचारी के विरुद्ध जांच पूरी हो गई है और उसे दण्डित किया गया है। जबकि 3 मामलों में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है और कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसके साथ ही 3 मामलों में जांच पूरी हो गई, जिसकी रिपोर्ट तैयार की जा रही है और 3 मामलों में जांच चल रही है।

राज्य के अधिवक्ता को जांच रिपोर्ट की स्थिति और उठाए गए कदमों के संबंध में मामले में आगे हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था। वहीं कोर्ट ने एक बार फिर सरकार को समय देते हुए 3 अप्रैल 2025 तक नया शपथ पत्र पेश करने निर्देश दिए हैं।

बता दें, सारंगढ़ उपजेल में वसूली के लिए कैदी को टॉर्चर किये जाने का मामला उजागर हुआ था। जिस पर हस्तक्षेप याचिकाकर्ता दीपक चौहान और दिनेश चौहान ने अधिवक्ता प्रियंका शुक्ला के माध्यम से अपना पक्ष रखा था। सारंगढ़ उपजेल मामले में संलिप्त आरोपी जेलकर्मियों पर कार्रवाई को लेकर पुलिस महानिदेशक जेल से शपथपत्र में जवाब प्रस्तुत करने कहा था। अब शुरू हुई विभागीय जांच और कार्रवाई पर लगातार कोर्ट जवाब मांगकर निगरानी कर रहा है।

बिब व टी-शर्ट 27 फरवरी से प्राप्त करें : सुंदरराज पी.

नारायणपुर। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि सेंट्रल इंडिया की सबसे बड़ी मैराथन दौड़ का आयोजन 2 मार्च 2025 को हाई स्कूल ग्राउंड, नारायणपुर में किया गया है। उन्होने अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन 2025 में शामिल होने के लिए युवाओं को आमंत्रित करते हुए आह्वान करओ हुए कहा कि आइए, दौड़ें बस्तर की शांति, एकता और साहस के लिए। उन्होने बताया कि जिले मे आयोजित अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन 2025 में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों के लिए हाई स्कूल ग्राउंड नारायणपुर में स्थापित काउंटर से 27 फरवरी से 1 मार्च तक बिब एवं टी-शर्ट के वितरण की व्यवस्था की गई है। वितरण का समय सुबह 10 बजे से शाम 8 बजे तक निर्धारित है। निर्धारित समय पर स्थापित काउंटर से अपना बिब और टी-शर्ट प्राप्त कर सकते हैं। प्रतिभागी धावकों को बिब एवं टी-शर्ट प्राप्त करने हेतु वैध आईडी प्रुफ साथ लाना होगा।

बालोद में छात्र की आत्महत्या पर बढ़ता जा रहा विवाद

बालोद। निजी स्कूल में पढ़ने वाले आठवीं के छात्र ने बीते दिनों आत्महत्या कर ली थी। छात्र की मौत के बाद अब विवाद बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को जिला युवा कांग्रेस के नेताओं ने स्कूल के बाहर प्रदर्शन किया। जिला यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष प्रशांत बोकडे ने कहा कि स्कूल प्रबंधन की ओर से घटना को लेकर कोई भी गंभीरता अबतक नहीं दिखाई है। स्कूल मैनेजमेंट की ओर से पीड़ित परिवार से मिलने तक कोई नहीं पहुंचा है।

प्रशांत बोकडे ने कहा हमारी मांग है कि पीड़ित परिवार को उचित न्याय मिले और जो भी दोषी हैं उनपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा भी दिया जाना चाहिए। स्कूल प्रबंधन की ओर से कहा गया है कि बच्चे से सिर्फ क्लास के बाहर बैठाकर होमवर्क कराया गया था। दरअसल, 10 फरवरी को शहर के एक निजी स्कूल में पढ़ने वाले 8वीं के छात्र ने अपने घर में आत्महत्या कर ली थी। छात्र के पिता ने स्कूल प्रबंधन पर प्रताड़ना का आरोप लगाया था। मृतक छात्र के पिता के पुलिस में भी शिकायत करने गए थे। प्रिंसिपल मीरा थॉमस ने कहा बच्चा होमवर्क करके नहीं आया था। उसे बाहर बैठाकर होमवर्क करने को कहा गया। वो बाहर बैठा भी था और थोड़ी देर बाद भीतर भी आ गया। इसके बाद सामान्य रुप से वो घर चला गया। घर जाने के बाद उसने क्या किया ये प्रबंधन की जिम्मेदारी नहीं है। हमने स्कूल के सारे फुटेज जांच टीम को दे दिए हैं।

युवा कांग्रेस के नेताओं ने कहा है कि अगर 15 दिनों के भीतर पीड़ित परिवार को मदद नहीं मिलती है तो वो फिर से न्याय के लिए आंदोलन करेंगे।

कटघोरा, मरवाही में जहां सड़क, तालाब के काम स्वीकृत, वहां उनके चिन्ह तक नहीं: महंत

छत्तीसगढ़ बजट सत्र के दूसरे दिन कॉपरेटिव सोसायटी, खिलाड़ियों को मिलने वाली सुविधाओं का मुद्दा सदन में उठा

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र के दूसरे दिन प्रश्नकाल ने पहला सवाल प्रेमचंद पटेल ने पूछा। उनका सवाल था कि कटघोरा वनमंडल के अंतर्गत वन विभाग ने साल 2023-24 और 2024-25 में कितने कामों की स्वीकृति दी।

मंत्री केदार कश्यप ने प्रश्न का जवाब देते हुए बताया कि कटघोरा में लगभग 5 हजार 346 काम स्वीकृत हुए हैं। जिनमें से 3 हजार 19 काम पूरे हो गए हैं। 2027 काम प्रगति पर है जो जल्द से जल्द पूरे करा लिए जाएंगे।

पटेल ने पूछा कि वन विभाग की तरफ से ही ये काम कराए जा रहे हैं या फिर दूसरे विभागों को भी एजेंसी बनाया गया है। मंत्री ने कहा कि वन विभाग को ही एजेंसी बनाई गई है।

गोंगपा विधायक हीरा सिंह मरकाम ने बीच में सवाल पूछते हुए कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र में कोई तालाब निर्माण नहीं कराए गए हैं। प्रगतिरत बताया जा रहा है लेकिन वहां कोई काम ही नहीं हुए हैं। मंत्री केदार कश्यप ने इसका जवाब देते हुए कहा कि साल 2024-25 में हो रही कार्यों की जानकारी दी गई है। मरकाम ने कहा कि कार्य शुरू ही नहीं हुए हैं। क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण कार्य कहां कराए जा रहे हैं। मंत्री ने जवाब दिया कि केंपा मद से साल 2024- 25 के क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण कार्य की जानकारी दी है। इसकी अलग से भी जानकारी दे दी जाएगी।

चरणदास महंत ने पूछा कि कटघोरा में जितने भी सड़क और तालाब के काम स्वीकृत हुए हैं वहां इन कामों के चिन्ह तक नहीं है। मंत्री जी से निवेदन है कि कटघोरा, मरवाही जैसे दूरस्थ अंचलों में जहां आदिवासी लोग रहते हैं वहां दी गई स्वीकृति की जांच करा लें। इस दौरान कुरुद विधायक अजय चंद्राकर ने कहा नेता प्रतिपक्ष जी अपने शासनकाल के कामों की जांच कराना चाहते है तो आपको अनुमति दे देनी चाहिए। इस पर महंत ने कहा यदि गलत हुआ है तो इसकी जांच करनी चाहिए।

महंत के सवाल पर मंत्री केदार कश्यप ने जवाब देते हुए कहा कि कटघोरा के अंतर्गत ऐसी कोई जानकारी है तो इसकी जानकारी उपलब्ध कराए, राज्य स्तर पर पूरे कार्यों का मूल्यांकन कर इसे दिखाया जाएगा।

विधायक राजेश मूणत ने सवाल किया कि कॉपरेटिव सोसायटी के अंदर कितनी संस्थाएं है। एक कमेटी गठित की गई है, आपने कहा कि कमेटी की दो मीटिंग हो चुकी है। क्या चार महीने पहले ध्यानाकर्षण के उत्तर में आपने जो प्रश्न का उत्तर दिया उसी प्रश्न का उत्तर आज भी रिपीट कर दिया। मंत्री जी से आग्रह है कि इसकी गंभीरता को समझ ले ये पूरा प्रदेश का मामला है। प्रदेश में कॉपरेटिव सोसायटी की सोसायटियां एनओसी के लिए भटकते रहते हैं। उन्हें कॉपरेटिव सोसायटी वाले बिना पैसे के

एनओसी नहीं देते। जनता से जुड़ा मामला है। आज चार महीने बाद भी वहीं उत्तर आ रहा है।

मंत्री केदार कश्यप ने सवाल का जवाब देते हुए कहा कि सरकार पूरी तरह से गंभीर है। पिछले सत्र में सदस्य को विश्वास दिलाया था कि तुरंत कमेटी गठित की जाएगी। 3 सितंबर 2024 को चार सदस्यीय कमेटी बनाई गई। कमेटी की दो बैठक हो गई है। 30 नवंबर और 24 जनवरी 2025 को बैठक हुई। क्या बेहतर हो सकता है इस दिशा में काम हो रहा है। आने वाले समय में किसी भी तरह की शिकायत नहीं होगी। एनओसी को तुरंत देने का प्रावधान करेंगे।

मूणत ने कहा कि शहर में 40 ऐसी सोसायटी है जहां मकान बने हैं। प्लाट खाली पड़े हैं। बिना एनओसी के कहीं भी रजिस्ट्री नहीं होती है। मंत्री जी एक समय सीमा दें दे तो जनता को राहत मिल जाएगी। मूणत ने कहा कि साय सरकार में सायं सायं जिस तरह दूसरे काम हो रहे हैं उसी तरह इस काम को भी सायं सायं कर दें।

अगल सवाल महंत ने पूछा- उन्होंने भारतमाला परियोजना के प्रभावितों के मुआवजा पर सवाल करते हुए कहा एक ट्रस्ट को 2 करोड़ से ज्यादा का मुआवज भुगतान हो जाता है। जबकि जिसे होना चाहिए उसे नहीं होता और किसी और को मुआवजा दे दिया जाता है। 32 खाते को 247 छोटे छोटे टुकड़ों में बांटकर मुआवजा का निर्धारण और वितरण कर दिया गया।

इस पर रमन सिंह ने कहा मंत्री जी ने जवाब देते हुए कहा कि जानकारी एकत्रित की जा रही है, ऐसे में सवाल जवाब नहीं बनता। इसमें ऐसी व्यवस्था है कि नियमावली 46 के अनुसरण में सदस्य को पूरा उत्तर मिलना चाहिए। इस प्रश्न को आगामी प्रश्न दिवस में पहले नंबर पर रख देंगे।

भूपेश बघेल ने कहा कि दुर्ग में भी भारतमाला प्रोजेक्ट में भी इस तरह की शिकायत आ रही है तो उसे भी जोड़ लें। इस पर रमन सिंह ने कहा कि मंत्री जी से आग्रह है कि आगामी तिथि के पहले प्रश्नकर्ता को उत्तर उपलब्ध करा दें। इस पर टंकराम वर्मा ने उत्तर उपलब्ध कराने के बारे में कहा।

अगला सवाल कुंवर सिंह निषाद ने पूछा- दुर्ग संभाग के खिलाड़ियों को बेहतर खेल प्रशिक्षण के लिए खेलकूद और युवा कल्याण विभाग की तरफ से क्या काम किया जा रहा है।

मंत्री टंक राम ने बताया कि दुर्ग संभाग के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देने के लिए दुर्ग में कबड्डी, बालोद में वेटलिफ्टिंग, बेमेतरा, कबीरधाम में कबड्डी, राजनांदगांव में हॉकी के 5 खेलो लघु इंडिया के केंद्र चलाए जा रहे हैं। खेलो इंडिया के तहत सभी जिलों में एक एक खेलों का चयन होता है। इनका संचालन भी किया जा रहा है, ये आवासीय नहीं है।

कुंवर सिंह ने कहा कि मैंने प्रशिक्षण संस्थान के बारे में पूछा है लेकिन आपने खेलो इंडिया लघु केंद्र के बारे में बता रहे हैं। खेलो इंडिया योजना खेल विभाग की योजना नहीं है ये भारत सरकार की योजना है। छत्तीसगढ़ में खिलाड़ियों को जो सुविधाएं मिलनी चाहिए वो नहीं मिल रही है। आपको अधिकारी गलत जानकारी दे रहे हैं। क्या उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

मंत्री टंक राम ने कहा प्रशिक्षण संस्थान खेलो इंडिया के तहत ही संचालित हो रहे हैं। भारत सरकार की योजना है जो छत्तीसगढ़ के 31 जिलों में चल रही है। 2 जिलों का चयन हो चुका है। अप्रैल से वहां भी शुरू हो जाएगा। निषाद ने कहा कि खेल विभाग की तरफ से इन्हें कोई राशि नहीं दी जाती।

इसके बाद मंत्री टंक राम अपनी बात पर अड़े रहे और कहा कि खेलो इंडिया की तरफ से ही प्रशिक्षण संस्थान चलाए जा रहे हैं। इसमें केंद्र की राशि आती है। 5 लाख रुपये सालाना, जिसमें 2 लाख रुपये खिलाड़ियों के संधारण और परिवेश के लिए आते हैं। 3 लाख रुपये प्रशिक्षकों के लिए आते हैं।

निषाद ने कहा कि दुर्ग में कहीं कोई सेंटर नहीं हैं जहां खिलाड़ियों को प्रोत्सहित किया जा रहा हो। मंत्री जी से 11 सितंबर 2024 को पत्र दिया था कि कुछ बच्चे राष्ट्रीय कूड़ो प्रतियोगिता गुजरात जाने के लिए मदद की मांग की थी, राशि तो दूर एक रिमाइंडर तक नहीं आया। ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभा के प्रोत्साहन के लिए सरकार को काम करना चाहिए।

इस पर मंत्री ने जवाब दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभा के प्रोत्साहन के लिए अनुदान दिया जाता है। इसकी लिस्ट दे दीजिए।

निषाद ने कहा कि बालोद विधानसभा खेल के लिए प्रसिद्ध रहा है। कबड्डी के राष्ट्रीय खिलाड़ी भी रहे हैं। कब्डी के खिलाड़ियों के लिए मैट उपलब्ध करवा दीजिए। इस पर मंत्री टंकराम ने कहा कि पूरे प्रदेश में कबड्डी खिलाड़ियों को मैट उपलब्ध कराया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

चिन्हारी छालीवुड फिल्म फेयर अवार्ड समारोह आज

रायपुर। हॉट-स्पॉट टेक्नोलॉजिस एवं दीपयोग सेवा संस्थान के संस्थापक योगेश्वरानंद नेताम कला, संस्कृति और समाज के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले ऐसे 60 से अधिक लोगों का सम्मान महाशिवरात्रि के दिन, यानी बुधवार की देर शाम को 7 बजे चिन्हारी छालीवुड फिल्म फेयर अवार्ड से सम्मानित करने जा रहे है जिसमें 35 से अधिक कलाकार शामिल है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए योगेश्वरानंद नेताम बताया कि अवार्ड समारोह का आयोजन दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में किया गया है जहां 10 ऐसे व्यक्यिों का सम्मान किया जाएगा जिन्हें पद्म विभूषण, पद्म भूषण, पद्मश्री व राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम को 7 बजे छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव करेंगे, जबकि अध्यक्षता मंत्री ओ.पी. चौधरी होंगे। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरणदेव सिंह, पूर्व मंत्री लता उसेंडी, विधायक राजेश मूणत, मोतीलाल साहू के साथ नगर निगम निगम रायपुर की नवनिर्वाचित महापौर मीनल चौबे शामिल होंगी जिनका श्रीफल और शॉल से सम्मान किया जाएगा।

20 खरीदी केन्द्रों में 3 दिन बंद रहा धान खरीदी

रायपुर। मोहला-मानपुर विधानसभा क्षेत्र के धान खरीदी केंद्रों में वर्ष 2024-25 अवधि में धान डंप होने से कितने दिन धान की खरीदी बंद रही? और राइस मिलरों के हड़ताल से कितने दिन धान खरीदी बंद रही? का मामला विधायक इन्द्रशाह मंडावी ने विधानसभा में उठाया। सहकारिता एवं वन मंत्री केदार कश्यप ने सदन को बताया किराईस मिलरों के हड़तालके कारण मोहला-मानपुर विधानसभा क्षेत्र के सभी 20 खरीदी केन्द्रों में से किसी भी केन्द्र में धान खरीदी बंद नहीं हुई है। सोसाइटी कर्मचारियों के हड़ताल से मोहला-मानपुर विधानसभा क्षेत्र के सभी 20 खरीदी केन्द्रों में से किसी भी केन्द्र में धान खरीदी बंद नहीं हुई है। अन्य कारणों से मोहला-मानपुर विधानसभा क्षेत्र के सभी 20 खरीदी केन्द्रों में 03 दिन धान खरीदी बंद रही। मंडावी ने जानना चाहा कि वर्ष 2024-2025 में धान खरीदी का लक्ष्य एवं अब तक की गई धान खरीदी की केंद्रवार जानकारी देवें? इस पर मंत्री कश्यप ने बताया कि वर्ष 2024-25 में धान खरीदी का लक्ष्य निर्धारित नहीं है। मोहला-मानपुर विधानसभा क्षेत्र के सभी 20 धान खरीदी केन्द्रों में कुल 1,62,054.28 मे.टन धान खरीदी की गई है।

सहायक शिक्षकों के वेतन विसंगति को दूर करने कोई कमेटी गठित नहीं है

रायपुर। विधायक संगीता सिन्हा ने मुख्यमंत्री से जानना चाहा कि जिला-बालोद के शासकीय विद्यालयों में सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति को दूर किये जाने हेतु शासन द्वारा क्या इसके लिए राज्य स्तर पर कोई कमेटी/समिति गठित की गई है? यदि हाँ तो कब एवं शासन के समक्ष अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु इस कमेटी के लिए कितनी समयसीमा निर्धारित की गई है? गठित कमेटी/समिति द्वारा अब तक कितनी बैठकें ली जा चुकी है एवं इसमें क्या निष्कर्ष निकला है? जानकारी देवें। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बताया कि सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति को दूर किये जाने हेतु शासन द्वारा राज्य स्तर पर कोई कमेटी/समिति गठित नहीं की गई है, तथापि विभिन्न विभागों में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों के वेतन विसंगतियों के कारण वेतनमान में संशोधन संबंधी प्रस्तावों का परीक्षण कर, प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा दिनांक 09.07.2024 को विशेष सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग की अध्यक्षता में एक आंतरिक समिति का गठन किया गया है।

22100 लोगों ने किया रामलला के दर्शन, 27.91 करोड़ हुआ खर्च

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना श्री रामलला दर्शन (अयोध्याधाम) योजना का लाभ 22100 लोगों ने उठाया और इस पर 31 जनवरी 2025 तक 27.91 करोड़ रुपये की राशि खर्च हो चुका है। यह जानकारी विधायक श्रीमती गोमती साय के द्वारा अतारांकित प्रश्नकाल के दौरान पूछे गए सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दिए।

गोमती साय ने मुख्यमंत्री से पूछा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में रामजन्मभूमि अयोध्या दर्शन योजना अंतर्गत अब तक कितने लोगों को प्रभु श्री रामलला का दर्शन कराया गया? मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना श्री रामलला दर्शन (अयोध्याधाम) योजना संचालित है। इस योजना के तहत योजना लागू होने के तिथि 05 फरवरी 2024 से अब तक कुल 22,100 यात्री लाभान्वित हुए है। गोमती ने फिर पूछा कि रामजन्मभूमि अयोध्या दर्शन योजना के अलावा और तीर्थ यात्रा हेतु कौन-कौन सी योजना अंतर्गत दर्शन कराने का कार्य विभाग द्वारा किया जा रहा है? मुख्यमंत्री ने बताया कि धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग द्वारा कैलाश मानसरोवर यात्रा हेतु राशि रु. 50,000.00 एवं सिन्धु दर्शन यात्रा हेतु राशि रु. 15000.00 प्रति व्यक्ति के मान से उनके यात्रा उपरांत

अनुदान छत्तीसगढ़ पर्यटन मण्डल के माध्यम से प्रदान की जाती है एवं समाज कल्याण विभाग अंतर्गत तीरथ बरत यथा संशोधित मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना संचालित की जा रही है।

गोमती साय ने फिर पूछा कि उक्त योजना अंतर्गत प्रतिव्यक्ति कितना खर्च होता है? योजना प्रारंभ से 31-1-2025 तक के अंतराल में तीर्थ योजना अंतर्गत कितना व्यय हुआ है? मुख्यमंत्री ने बताया कि श्री रामलला दर्शन (अयोध्याधाम) योजना अंतर्गत इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन के माध्यम से संपादित अनुबंध अनुसार यात्रा पैकेज के तहत प्रतिव्यक्ति हेतु राशि रू 14000 व्यय निर्धारित है।

राजीव भवन में ईडी के छापे पर रार

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापे के बाद सियासत गरमा गई है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने कहा कि ईडी के पास कोई सबूत नहीं है, सिर्फ नेताओं को परेशान करने का काम है। इस पर पलटवार करते हुए गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि ईडी अपनी कार्रवाई कर रही है। जो भ्रष्टाचार में संलिप्त हैं, सबको जेल जाना चाहिए।

नेता-प्रतिपक्ष डॉ। चरण दास महंत ने राजीव भवन में ईडी के छापे पर मीडिया से चर्चा में कहा कि सालभर से छापा ही छापा पड़ रहा है। ईडी के पास कोई सबूत नहीं है, सिर्फ नेताओं को परेशान करने का काम है, यह हमारे लिए दुख के विषय हैं। लोकतंत्र में ऐसी बात नहीं होनी चाहिए, इसकी निंदा करते हैं।

वहीं नेता प्रतिपक्ष के सालभर से छापा पड़ने के आरोपों पर गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि उन्होंने जितना नोट छापा है, उसके विरुद्ध ये छापा है। शराब घोटाला छत्तीसगढ़ के बच्चे-बच्चे जानते हैं। ईडी का छापा वहां पड़ा है, जहां भ्रष्टाचार का पैसा लगा है। कोई व्यक्ति बड़ा है, तो उसके सामने कानून छोटा नहीं होता।

छत्तीसगढ़ की जेलों में पहुंचा गंगा जल, बंदियों ने किया अमृत स्नान

रायपुर। छत्तीसगढ़ की जेलों में बंद बंदियों को मंगलवार को गंगाजल से स्नान कराया गया। प्रदेश के 5 सेंट्रल जेल, 20 जिला जेल और 8 सब-जेल में कैदियों को गंगा जल से स्नान कराया गया। आत्मशुद्धि और नैतिक उत्थान के लिए कैदियों ने गंगा जल से स्नान किया।

प्रयागराज महाकुंभ के ऐतिहासिक अवसर पर कैदियों को आध्यात्मिक लाभ देने की सरकार की पहल है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने महाकुंभ से लौटने के बाद कैदियों के गंगा स्नान के लिए प्रयागराज से गंगा जल लाने की घोषणा की थी। उन्होंने बताया था कि 25 फरवरी को पूरे प्रदेश की जेलों में बंदियों के गंगा स्नान का विशेष आयोजन किया जाएगा।

मंगलवार सुबह सभी सेंट्रल जेल, जिला जेल और सब जेल में इसकी शुरुआत हुई। जेलों में बंदियों का गंगा जल स्नान कराया गया। जेल प्रशासन ने कैदियों के लिए विशेष व्यवस्था की। इस दौरान जेल में उत्साह का माहौल देखने को मिला। उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सरकार बंदियों के सुधार और पुनर्वास के लिए आगे भी इस कार्यक्रम को जारी रखेगी। बता दें कि 13 फरवरी को छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय, राज्यपाल रमेन डेका, विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह, सांसद, विधायक और उनके परिवार सहित कुल 166 लोगों ने प्रयागराज महाकुंभ में पवित्र स्नान किया।

छत्तीसगढ़ में कामकाजी महिलाओं के लिए बनेंगे 6 हॉस्टल

- राजधानी में 48 करोड़ में बनेंगे तीन वर्किंग वूमन्स हॉस्टल

रायपुर। केंद्र शासन की विशेष सहायता से छत्तीसगढ़ में कामकाजी महिलाओं के लिए 6 हॉस्टल बनाए जाएंगे। इसके लिए केन्द्र के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 202 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई है। इनमें राजधानी में तीन के साथ ही नवा रायपुर में सेक्टर-16 में एक और बिलासपुर तथा सिरगिट्टी में सीएसआईडीसी को दो हॉस्टल के लिए राशि दी गई है। राजधानी रायपुर में कामकाजी महिलाओंके लिए लगभग 48 करोड़ रुपए की लागत से तीन वर्किंग वूमन्स हॉस्टल बनाए जाएंगे। इस हॉस्टल की योजना वर्ष 2024 में केंद्र शासन को प्रस्ताव भेजा गया था। केंद्र सरकार द्वारा 24 फरवरी को इस प्रस्ताव की मंजूरी दे

दी गई है।

नगर निगम आयुक्त अविनाश मिश्रा ने बताया कि 250-250 बेड के इस हॉस्टल के बनने से राजधानी में कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित आवासीय सुविधा सस्ती दर पर मिलेगी। तीनों हॉस्टल तीन माले की होगी। इनमें से प्रत्येक हॉस्टल में 250-250 बेड का इंतजाम किया जाएगा। हॉस्टल के कमरे डबल बेडरूम वाले होंगे और उसमें अटैच वासरूम रहेगा। कोशिश रहेगी कि सभी हॉस्टल में मेस की सुविधा रहे, जिससे कामकाजी महिलाओं को नाश्ता व खाने के लिए बाहर न जाना पड़े। ये हॉस्टल रिहायशी इलाकों में ही बनाए जाएंगे,जिससे महिलाओं को आने-जाने में किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो। आयुक्त ने कहा है कि प्रक्रियाओं को तेज करते हुए इन हॉस्टल को एक साल के अंदर तैयार करने की कोशिश की जाएगी। तीनों हॉस्टल की निर्माण एजेंसी निगम रहेगा और इसका संचालन व संधारण पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर किया जाएगा।

लगभग 10 हजार महिलाएं कर रही काम

रोजगार कार्यालय से अनुसार राजधानी में लगभग 10 हजार महिलाएं बाहर से आकर सरकारी विभागों में कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि निजी संस्थानों में यह संख्या बढ़ सकती है।

कोई भी अफसर भ्रष्टाचार के मामले में दोषी हैं तो उन्हें बख्शा नहीं जाएगा: साय

रायपुर। राज्य सरकार भ्रष्टाचार के मामले में जीरो टालरेंस की नीति पर चल रही है और जो कोई भी अफसर भ्रष्टाचार के मामले में दोषी हैं तो उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उक्त जानकारी प्रश्नकाल में भाजपा सदस्य धरमलाल कौशिक के द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहीं।

मुख्यमंत्री साय कौशिक के द्वारा पूछे गए प्रश्न के जवाब में सदन को बताया कि प्रदेश में 31 जनवरी 2025 की स्थिति में राज्य प्रशासनिक सेवा के प्रथम श्रेणी के कुल 255 पद स्वीकृत हैं, 251 भरे हैं, और 4 पद खाली हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2019 से अब तक 6 अफसरों के खिलाफ ईओडब्ल्यू-एसीबी द्वारा जांच की कार्रवाई की जा रही है। कौशिक ने लिखित जवाब पर असंतोष जताया और कहा कि विधानसभा में सवाल लगने के बाद बीएस ठाकुर, और टीआर माहेश्वरी के खिलाफ जांच की अनुमति दी गई। इससे कार्रवाई की गंभीरता का पता चलता है। उन्होंने कहा कि अफसरों के खिलाफ करप्शन की जांच होनी चाहिए।

कौशिक ने पूछा कि समुचित कार्रवाई कब तक की जाएगी? सीएम ने इसके जवाब में कहा कि सरकार ने सुशासन के लिए अलग से सुशासन अभिसरण विभाग का गठन किया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सुशासन स्थापित करेंगे। सरकार भ्रष्टाचार के मामले में जीरो टालरेंस की नीति पर काम कर रही है। भ्रष्टाचार के मामले में जो कोई भी दोषी होगा उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

छत्तीसगढ़ वेटलैण्ड प्राधिकरण को कोई भी केन्द्रीय अनुदान राशि प्राप्त नहीं हुई है: कश्यप

प्राधिकरण के संबंध में किसी भी प्रकार की अनियमितता एवं शिकायत प्राप्त नहीं हुई है

रायपुर। छत्तीसगढ़ वेटलैण्ड (नम भूमि) प्राधिकरण में सम्मिलित स्थल का मामला बजट सत्र के दूसरे दिन सत्तापक्ष के वरिष्ठ सदस्य व पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने उठाया। इस पर वन मंत्री केदार कश्यप ने सदन को बताया कि छत्तीसगढ़ वेटलैण्ड प्राधिकरण को कोई भी केन्द्रीय अनुदान राशि प्राप्त नहीं हुई और ना ही प्राधिकरण के संबंध में किसी भी प्रकार की अनियमितता एवं शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

अजय चंद्राकर ने प्रश्नकाल के दौरान वन मंत्री से छत्तीसगढ़ वेटलैण्ड प्राधिकरण कब बना? इसका उद्देश्य क्या है? इसके अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्य कौन-कौन हैं? का मामला उठाया। इस पर वन मंत्री केदार कश्यप कि (क) छत्तीसगढ़ शासन, आवास एवं पर्यावरण विभाग के आदेश क्रमांक एफ.एन.4-02/2020/32, दिनांक 01.07.2020 द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य वेटलैण्ड अथोरिटी (प्राधिकरण) का गठन किया गया है। प्राधिकरण के गठन का उद्देश्य राज्य में स्थित वेटलैण्ड्स का वेटलैण्ड (संरक्षण एवं प्रबंधन) नियम, 2017 के अनुसार संरक्षण व संवर्धन करना है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश क्रमांक एफ.एनओ. 9-55/2016/1/5 दिनांक 17-12-2021 के द्वारा छत्तीसगढ़ वेटलैण्ड अथॉरिटी का पुनर्गठन किया गया है। जिसके अनुसार प्राधिकरण के अध्यक्ष, माननीय मंत्री, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उपाध्यक्ष, मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन तथा प्राधिकरण के सदस्य सचिव के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य जैवविविधता बोर्ड के सदस्य सचिव को नामांकित किया गया है। प्राधिकरण के अन्य सदस्य निम्नानुसार हैं-1. प्रमुख सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, 2. भारसाधक सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन एवं सिंचाई विभाग, 3. भारसाधक सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, कृषि एवं मछली पालन

विभाग, 4. भारसाधक सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग 5. भारसाधक सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, 6. भारसाधक सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, 7. सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, आवास एवं पर्यावरण विभाग 4. भारसाधक सचिव, छत्तीसगढ़ शासनन, पर्यटन विभाग, 9. प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी), नवा रायपुर, अटल नगर, 10. निदेशक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्, विधानसभा रोड, दलदल सिवनी, रायपुर, 11. सदस्य सचिव, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, नवा रायपुर, 12. अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नागपुर, महाराष्ट्र (ख) अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र एटलस 2021 के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में 2.25 हेक्टेयर से ऊपर के 11,457 वेटलैण्ड्स (846195.08 एकड़) को चिन्हित किया गया है। इनके संरक्षण एवं संवर्धन हेतु भारत शासन द्वारा वेटलैण्ड (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017 के अंतर्गत दिशा-निर्देश (छत्तीसगढ़ राज्य वेटलैण्ड अथोरिटी के कर्तव्य/दायित्व) दिए गए हैं।

चंद्राकर ने फिर जानना चाहा कि छत्तीसगढ़ में कितने स्थलों एवं कितने एकड़ भूमि को छत्तीसगढ़ वेटलैण्ड प्राधिकरण अंतर्गत शामिल किया गया है? इसके संरक्षण एवं संवर्धन हेतु शासन के क्या दिशा-निर्देश हैं? (ग) छत्तीसगढ़ वेटलैण्ड प्राधिकरण हेतु वित्तीय वर्ष 2019-20 से 2023-24 तक कितनी-कितनी राशि का बजट प्रावधान किया गया था तथा कितना-कितना केन्द्रीय अनुदान प्राप्त हुआ है? इस पर चंद्राकर ने बताया कि छत्तीसगढ़ वेटलैण्ड प्राधिकरण हेतु वित्तीय वर्ष 2019-20, 2020-21, 2021-22, 2022-23 में कोई भी राशि प्रावधानित नहीं थी। वित्तीय वर्ष 2023-24 में छत्तीसगढ़ राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण हेतु नवीन बजट मद मांग संख्या 10- मुख्य शीर्ष-2406-0101 राज्य आयोजना (सामान्य) (6673) हेज14 सहायक अनुदान 012 अन्य अनुदान नवीन मद अंतर्गत सृजित करते हुए राशि रू.10.00 करोड़ का प्रावधान किया गया था। प्रावधानित राशि में से दिसम्बर 2023 में प्राप्त राशि रू.4.00 करोड़ में वित्तीय वर्ष 2023-24 में उपयोग की गई राशि रू. 322.17 लाख रुपये है। छत्तीसगढ़ वेटलैण्ड प्राधिकरण को कोई भी केन्द्रीय अनुदान राशि प्राप्त नहीं हुई है। प्राधिकरण के संबंध में किसी भी प्रकार की अनियमितता एवं शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

हाशिये पर क्यों पहुंच गया पाकिस्तान?

विकास मिश्रा

एक जमाना था जब अमेरिका जैसी महाशक्ति के साथ पाकिस्तान गलबहियां करता था। इस्लामिक देशों में उसकी अच्छी पूछ-परख थी, वह इस्लामिक दुनिया का बादशाह बनने के लिए उतावला हो रहा था लेकिन अब हालात बिल्कुल बदल चुके हैं। मौजूदा दौर की हकीकत यह है कि उसकी कोई नहीं सुन रहा है। वह दरकिनार हो चुका है। बहुत ताजा मामला ओमान की राजधानी मस्कट में पिछले सप्ताह आयोजित इंडियन ओशियन कॉन्फ्रेंस का है जिसमें हिंद महासागर क्षेत्र में बसे देशों के विदेश मंत्रियों समेत कुल 60 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन का उद्देश्य हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के सामने मौजूदा चुनौतियों से निपटने का रास्ता तलाशना था और भविष्य को लेकर विचार-विमर्श करना था। भारतीय विदेश मंत्री एस। जयशंकर इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। जाहिर सी बात है कि पाकिस्तान भी हिंद महासागर क्षेत्र का ही देश है लेकिन इस कॉन्फ्रेंस के लिए उसे न्योता तक नहीं भेजा गया! जबकि बांग्लादेश भी इसका हिस्सा था। सवाल उठना लाजिमी है कि पाकिस्तान के साथ ऐसा सलूक किसने किया और क्यों किया? इस सवाल का जवाब तलाशने से पहले यह जान लीजिए कि जिस ओमान में इस कॉन्फ्रेंस का आयोजन हुआ वह पाकिस्तान का बेहद करीबी मुल्क समझा जाता रहा है। दोनों की साझा समुद्री सीमा है। इस कॉन्फ्रेंस का आयोजन ओमान और इंडिया फाउंडेशन ने किया था। पाकिस्तानी चैनल यह रोना रो रहे हैं कि पाकिस्तान को इस कॉन्फ्रेंस में न बुलाए जाने के पीछे भारत का हाथ है। वे कह रहे हैं कि इंडिया फाउंडेशन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सोच वाला संगठन है। दूसरी ओर पाकिस्तान के ही कई विशेषज्ञों का मानना है कि यह पूरी तरह से पाकिस्तानी कूटनीति की पराजय है। और हकीकत भी यही है। पाकिस्तान पर आज कोई भी भरोसा करने को तैयार नहीं है। उसने खुद को आर्थिक रूप से तो कंगाल बना ही लिया है, रारजनीतिक रूप से भी दिवालिया जैसी स्थिति में है। वह दुनिया भर के मुसलमानों के संरक्षण की बात करते-करते उस चीन की गोद में जा बैठा जिस पर दस लाख से ज्यादा वीगर मुसलमानों को सुधार के नाम पर जेल में कैद करने का आरोप लगता रहा है। अरब वर्ल्ड के मुल्क भी यह समझने लगे हैं कि उसका एटम बम उनके किसी काम का नहीं है। वह तो वास्तव में झोलाछाप देश बन चुका है जिसके पास अपने मुल्क के लोगों का पेट भरने के लिए भी पैसे नहीं हैं। पाकिस्तानी लोग टूरिस्ट और धार्मिक वीजा पर अरब देश पहुंचते हैं और वहां भीख मांगने का धंधा करते हैं। सऊदी अरब ने तो पिछले साल सैकड़ों पाकिस्तानियों को भीख मांगने के जुर्म में गिरफ्तार किया था। ऐसे में कोई भी इस्लामिक मुल्क क्यों पाकिस्तान से रिश्ते मजबूत करना चाहेगा। यदि उसे ओमान कॉन्फ्रेंस में नहीं बुलाया गया तो निश्चित रूप से इसमें ओमान की सहमति रही होगी। पाकिस्तान के साथ जो सबसे बड़ी समस्या है, वह है आतंकवाद का गढ़ बन जाने की। वह भले ही लाख इनकार करता रहे और यह रोना रोता रहे कि वह खुद आतंकवाद का शिकार है, हकीकत तो यही है कि पाकिस्तान पिछले कई दशक से आतंकवादियों का जन्म स्थल और पनाहगाह, दोनों बना हुआ है। जिस ओसामा बिन लादेन के खिलाफ जंग में अमेरिका से वह करोड़ों डॉलर डकारता रहा, उसी लादेन को उसने अपनी गोद में छिपा रखा था। ऐसे देश पर कोई क्यों भरोसा करे? यहां तक कि उसका सबसे नजदीकी पड़ोसी अफगानिस्तान भी उससे नफरत करने लगा है। अफगानियों का मानना है कि अपने फायदे के लिए उसने अफगानिस्तान को बर्बादी की राह पर धकेला। अब यही काम वह बांग्लादेश के साथ कर रहा है। शेख हसीना की तरक्कीपसंद सरकार को ध्वस्त करने के लिए उसने धार्मिक कट्टरता की ज्वाला भड़काई। वह इस बात से जला-भुना बैठा था कि बांग्लादेश तरक्की क्यों कर रहा है? अब बांग्लादेश के कंधे पर बंदूक रखकर भारत के खिलाफ चलाना चाह रहा है लेकिन भारत इतना कमजोर भी नहीं है कि पाकिस्तान कुछ बिगाड़ सके। जम्मू-कश्मीर में उसे जो भी करना था कर लिया लेकिन भारत का क्या बिगड़ा? जम्मू-कश्मीर तरक्की की राह पर है और अरब मुल्क भी वहां अब इन्वेस्टमेंट कर रहे हैं। वैसे यह पहला मौका नहीं है जब अंतरराष्ट्रीय पटल से पाकिस्तान को दरकिनार किया गया हो। एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर इसी महीने पेरिस में हुए सम्मेलन में दुनिया भर के नेताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए थे लेकिन वहां पाकिस्तान नहीं था। पाकिस्तानी अवाम को सोचना होगा कि हर बात के लिए भारत पर तोहमत लगाने वाली आर्मी और आईएसआई के मिलेजुले षड्यंत्र में आतंकवाद के पनाहगाह बन चुके मुल्क को बर्बाद हो जाने दे।

सनातन, आस्था व विकास को समर्पित योगी सरकार का बजट

मृत्युंजय दीक्षित

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने वर्ष 2025-26 के लिए सनातन को समर्पित करते हुए सामाजिक सरोकारों वाला व्यापक बजट प्रस्तुत किया है जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग तथा जीवन के हर क्षेत्र का ध्यान रखा गया है। सर्वसमावेशी होने के कारण छात्र, किसान, व्यापारी, महिलाएं, विषय विशेषज्ञ और उद्योगपति सभी इस बजट की सराहना कर रहे हैं। बजट में धर्मस्थलों के विकास व पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त धन दिया गया है। प्रदेश सरकार के बजट में हर उस क्षेत्र तक पहुंच बनाने का प्रयास किया गया है जो आर्थिक विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। बजट में अयोध्या, मथुरा, नैमिषारण्य और चित्रकूट जैसे धार्मिक स्थलों पर विशेष ध्यान दिया गया है।

प्रदेश के वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने बजट भाषण का प्रारम्भ महाकुंभ के आयोजन से किया और फिर धर्मस्थलों के विकास के लिए अपना खजाना खोल दिया। श्री काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर व मां विन्ध्यवासिनी कॉरिडोर की स्थापना के बाद सरकार मथुरा में श्री बांकेबिहारी जी महाराज मंदिर, मथुरा-वृंदावन कॉरिडोर का निर्माण करायेगी। इसके लिए भूमि उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 100 करोड़ और निर्माण के लिए 50 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। नैमिषारण्य में वेद विज्ञान केंद्र की स्थपना के लिए 100 करोड़ रु. खर्च किये जायेंगे। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए पहले ही 25 करोड़ बजट के साथ पांच एकड़ भूमि आवंटित की जा चुकी है। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के केंद्र में वैदिक पर्यावरण, वैदिक गणित, वैदिक विधिशास्त्र, वैदिक योग विज्ञान, वैदिक वन औषधियां वनस्पति आदि पाठ्यक्रम होंगे। यहां पर बड़े वैदिक पुस्तकालय का भी निर्माण कराया जाएगा, साथ ही वेदशाला,वैदिक संग्रहालय, तारा मंडल, संगोष्ठी कक्ष बनाये जाएंगे। केंद्र में गुरुकुल व आधुनिक पद्धति के अंतर्गत कक्षाएं बनायी जायेंगी।

मुख्यमंत्री पर्यटन स्थल विकास योजना के तहत 400 करोड़ रु. खर्च किये जायेंगे। अयोध्या में पर्यटन अवस्थापना विकास के लिए 150 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। इसी तरह मथुरा में 125 करोड़ नैमिषारण्य मे 100 करोड़ चित्रकूट में 50 करोड़ खर्च करने का प्रावधान किया गया है। मिर्जापुर में मां विन्ध्यवासिनी मंदिर, मां अष्टभुजा मंदिर मां काली खोह मंदिर के परिक्रमा पथ व जनसुविधा स्थलों का विकास किया जायेगा। संरक्षित मंदिरो के जीर्णोद्वार के लिए 30 करोड़, महाभारत सर्किट के पर्यटन विकास के लिए 10 करोड़, जैन सर्किट के विकास के लिए भी धन उपलब्ध कराया गया है। विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए भी धन का प्रावधान किया गया है। गुरुस्वामी हरिदास की स्मृति में अंतरराष्ट्रीय संगीत समारोह के लिए एक करोड़ और अयोध्या में जिला स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय के लिए भी एक करोड़ की धनराशि रखी गई है। योगी सरकार ने वर्तमान बजट से धार्मिक पर्यटन के माध्यम से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की लौ प्रदीप्त की है।

बजट में महापुरुषों पर भी ध्यान दिया गया है जिसके अंतर्गत बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के नाम पर लखनऊ में स्मारक और सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही हर जिले में 100 एकड़ में पीपीपी मॉडल पर सरदार पटेल जनपदीय आर्थिक क्षेत्र स्थापित किया जायेगा। संत कबीर के नाम पर 10 वस्त्रोद्योग पार्क तथा संत रविदास के नाम पर दो चर्मोद्योग स्थापित किये जाएंगे। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष में उनके सम्मान में नगरीय क्षेत्रों में पुस्तकालय की स्थापना की जाएगी। लखनऊ स्थित अटारी कृषि प्रक्षेत्र पर 251 करोड़ रु. की लागत से पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चरण सिंह के नाम पर सीड पार्क की स्थापना होगी। प्रत्येक कृषि मंडी में माता शबरी के नाम पर कैंटीन और विश्रामालाय स्थापित किये जायेंगे।बजट में युवाओं और छात्राओं को आकर्षित करने के लिए भी प्रावधान किये गये हैं। अब प्रदेश की हर मेधावी छात्रा को स्कूटी दी जायेगी छात्राओं के लिए 400 करोड़ रु. रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना का ऐलान किया गया है। यही नही माता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर श्रमजीवी महिलाओं के लिए छात्रावास भी बनेंगे।

प्रदेश के बजट में युवा उद्यमी अभियान के लिए भी 1000 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। संपूर्ण उत्तर प्रदेश के व्यापक विकास का विस्तृत खाका बजट में रखा गया है। बजट के अनुसार अवध में केवल अयोध्या का ही विकास नहीं हो रहा अपितु अवध के हर जिले के विकास की अद्भुत पटकथा लिखी जायेगी। बजट के प्रावधान इस प्रकार से बनाये गये हैं कि एक प्रकार से यह आगामी 25 वर्षों के विकास का रोडमैप प्रस्तुत कर रहा है।

उत्तर प्रदेश में चार नए एक्सप्रेस वे के निर्माण से तीन तीर्थस्थलों काशी, प्रयागराज व हरिद्वार की यात्रा सरल हो जायेगी। चार नए एक्सप्रेस वे के लिए बजट में 1,050 करोड़ रु. की व्यवस्था कर दी गई है। गंगा एक्सप्रेस वे को प्रयागराज, मिर्जापुर, वाराणसी, चंदौली होते हुए सोनभद्र से जोड़ने के लिए विन्ध्य लिंक एक्सप्रेस वे का निर्माण किया जायेगा। इससे इस क्षेत्र के विकास की गति दोगुनी हो जायेगी व धार्मिक पर्यटन और बढ़ेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह युवाओं को रोजगार देने वाला बजट है। बजट में एमएसएमई, नई तकनीक, एआई व साइबर सुरक्षा का भी ध्यान रखा गया है। नए एक्सप्रेस- वे बनने से दूर की यात्रा आसान होगी। नए एक्सप्रेस वे बनने से व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। एआई सिटी बनाने की घोषणा से स्टार्टअप और आईटी उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।प्रदेश का बजट इंफ्रास्टक्चर को बढ़ावा देने के साथ बेरोजगारों को रोजगारपरक बनाने वाला बजट है। यह बजट राज्य की तकनीकी प्रगति औद्योगिक विकास और स्वास्थ्य अवसंरचना के लिए प्रतिबद्धता को दर्शा रहा है। प्रदेश के बजट में सड़क राजमार्ग के चौड़ीकरण पर भी पर्याप्त फोकस किया गया है। इसका सर्वाधिक लाभ राजधानी लखनऊ व उसके आसपास के जिलों व कस्बों आदि को मिलेगा। मोहनलालगंज -गोसाईगंज होते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेस- वे निकल रहा है इसका चौड़ीकरण किया जायेगा। इसी तरह बनी से ही एक रोड हरौनी होते हुए मोहन को निकली है इसे भी दो लेन का किया जायेगा।

यह बजट समग्र विकास वाला बजट है। इसमें किसानों, उद्यमियों, महिलाओं और युवाओं के लिए अनेक प्रावधान किये गये हैं। बजट में कोरोना काल में अनाथ 1430 बच्चों को आर्थिक सहायता प्रादन करने के लिए 250 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। बजट में सात सरोकारों पर्यावरण संरक्षण ,नारी सशक्तीकरण, जल सरंक्षण, सुशिक्षित समाज, जनसंख्या नियोजन, स्वस्थ समाज, गरीबी उन्मूलन पर भी ध्यान दिया गया है। पर्यावरण संरक्षण के लिए बजट का 23 प्रतिशत हिस्सा पर्यावरण अनुकूलन पहली पर खर्च किया जायेगा।

सरकार वनीकरण, कार्बन अवशोषण और पयार्वरण एवं प्राकृतिक संसाधनों के सरंक्षण को और अधिक बढ़ावा देने जा रही है। इसी प्रकार सुशिक्षित समाज के अंतर्गत शिक्षा क्षेत्र पर कुल बजट का 13 प्रतिशत हिस्सा खर्च किया जायेगा। इसी प्रकार स्वस्थ समाज के लिए कुल बजट का छह प्रतिशत हिस्सा स्वास्थ्य क्षेत्र पर खर्च होगा। प्रदेश में जलसंरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 4500 करोड़ रु. की व्यवस्था की गई है। इसके अंतर्गत वर्षा जल संचयन एवं भूजल संवर्धन के लिए 90 करोड़ रु. की व्यवस्था प्रस्तावित है। इसमें तालाबों का जीर्णोद्धार तथा निर्माणा भी शामिल है। जनसंख्या नियोजन के अंतर्गत युवाओं को नवाचार से जोड़ने के लिए इनोवेशन फंड स्थापित किया जा रहा है। गरीबी उन्मूलन के लिए भी 250 करोड़ रु. की व्यवस्था प्रस्तावित है। बजट में सभी मंडल मुख्यालयों पर विकास प्राधिकरणों, नगर निकायों द्वारा कन्वेंशन सेंटर का निर्माण कराया जायेगा। ग्राम पंचायतों में वैवाहिक उत्सव एवं अन्य सामाजिक आयोजनों के लिए उत्सव भवन निर्माण की कार्ययोजना पर भी कार्य किया जायेगा।

यह बजट सभी वर्गो के लिए है अर्थात समग्रता पर आधारित है जिससे इसकी छाप वैश्विक होने जा रही है। प्रदेश की सुदृढ़ होती कानून-व्यवस्था से देश विदेश के निवेशक भी अब आकर्षित हो रहे हैं तथा प्रदेश में भारी निवेश भी हो रहा है। प्रदेश सरकार ने वर्तमान बजट से 2050 तक का लक्ष्य साधने का प्रयास किया है यही कारण है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद यह अब तक का सबसे बड़ा बजट है जिसका सीधा अर्थ यह हे कि विकास का लक्ष्य और पैमाना बहुत बड़ा है। यह तुष्टिकरण वाला बजट नहीं अपितु सभी के संतुष्टिकरण वाला बजट है।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदों में अष्टादश पुराणों के नाम

(गतांक से आगे...)

श्रीमद्भागवत में यह कथा आधिभौतिक अर्थ में कही गई है। वहाँ इसका यह तात्पर्य है कि प्रजापति (सूर्य) अपनी दुहिता (उषा) के पीछे दौड़ता है, मरीचि आदि पुत्र (6 किरणें उसे रोकते हैं, वह लज्जित होकर अपने कलेवर (वाष्पमय प्रभातकालीन बादल) को त्याग देता है, वह त्यागा हुआ शरीर सब दिशाओं में फैल जाता है जिसे वैज्ञानिक लोग- नीहारं यद् विदुस्तम:। (भा0 3 । 12 । 34)

अर्थात्- नीहार= कुहरा धुन्ध कहते हैं। यहां उपसंहार से स्पष्ट हो गया, कि कुहरे की उत्पत्ति बताने के लिये ही इस रूपक का उल्लेख किया है।

ब्रह्मवैवर्तत पुराण में यही कथा आध्यात्मिक अर्थ को मुख्य मानकर लिखी गई है। वहाँ उपसंहार में स्पष्ट कर दिया गया है कि- मन:स्वरूपो ब्रह्मा मे ज्ञानरूपो महेश्वर:। वागधिष्ठात्री देवी या सा स्वयं च सरस्वती।। (4 । 36 । 58)

अर्थात् - मनरूप ब्रह्मा, वाणीस्त्ररूप सरस्वती के पीछे दौड़ता है तथा ज्ञानरूप शिव अपने पिता मन का अहंकार रूप मस्तक काट डालता है। यहाँ मरीचिं आदि के बजाय शिव द्वारा ब्रह्मा के मस्तक काटने को उल्लेख है, क्योंकि आध्यात्मिक अर्थ में मरीचि आदि 6 पुत्र (किरणें) घटित नहीं हो सकते थे और नाही ब्रह्मा का शरीर त्याग उचित जंचता था, बल्कि ज्ञानरूप भहेश्वर द्वारा मन:रूप ब्रह्मा का अहंकार रूप पांचवां मस्तक काट डालना ही उचित प्रतीत होता था। अतएव ब्रह्मवैवर्त में बह लिखा है, जो कि आध्यात्मिक अर्थ में सर्वथा घटित हो सकता है।

देवीभागवत में उक्त कथा के आधिदैविक अर्थ को मुख्य मानकर इसका संकेत किया है। अत: वहां ब्रह्मलोक के अधिष्ठाता श्री ब्रह्मा जी अभिप्रेत हैं। तात्पर्य यह हुआ कि यह एक ही कथा तीन पुराणों में तीन अर्थों में प्रयुक्त हुई है। **क्रमश: ...**

प्रखर राष्ट्रवादी एवं स्वतंत्रता सेनानी थे वीर सावरकर

ललित गर्ग

नया भारत बनाने, भारत को नये सन्दर्भों के साथ संगठित करने, राष्ट्रीय एकता को बल देने की चर्चाओं के बीच भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रखर सेनानी, महान देशभक्त, ओजस्वी वक्ता, दूरदर्शी राजनेता, इतिहासकार, एक बहुत निराले साहित्यकार-कवि और प्रखर राष्ट्रवादी नेता विनायक दामोदर सावरकर की जयंती और उनका जीवन-दर्शन आधार-स्तंभ एवं प्रकाश-किरण है।

अग्रिम पंक्ति के स्वतंत्रता सेनानी सावरकरजी प्रेरणाएं एवं शिक्षाएं इसलिये प्रकाश-स्तंभ हैं कि उनमें नये भारत को निर्मित करने की क्षमता है। उन्होंने एक भारत और मजबूत भारत की कल्पना की जिसे साकार करने का संकल्प हर भारतीय के मन में है। हम आजाद हो गये, लेकिन

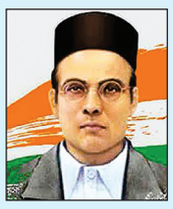

हमारी मानसिकता एवं विकास प्रक्रिया अभी भी गुलामी की मानसिकता को ओढ़े हैं। शिक्षा से लेकर शासन व्यवस्था की समस्त प्रक्रिया अंग्रेजों की थोपी हुई है, उसे ही हम अपनाये जा रहे हैं। जीवन का उद्देश्य इतना ही नहीं है कि सुख-सुविधापूर्वक जीवन व्यतीत किया जाये, शोषण एवं अन्याय से धन पैदा किया जाये, बड़ी-बड़ी भव्य अट्टालिकाएं बनायी जाये और भौतिक साधनों का भरपूर उपयोग किया जाये। उसका उद्देश्य है- निज संस्कृति को बल देना, उज्ज्वल आचरण, सात्विक वृत्ति एवं स्व-पहचान। भारतीय जनता के बड़े भाग में राष्ट्रीयता एवं स्व-संस्कृति की कमी को दूर करना ही सावरकरजी के जन्म एवं जीवन का ध्येय था। वे विश्वभर के क्रांतिकारियों में अद्वितीय थे। उनका नाम ही भारतीय क्रांतिकारियों के लिए उनका संदेश था। उनकी पुस्तकें क्रांतिकारियों के लिए गीता के समान थीं।

वीर सावरकर का जन्म महाराष्ट्र के नासिक जिले के ग्राम भगूर में 28 मई 1883 में हुआ था। वह अपने माता पिता की चार संतानों में से एक थे। उनके पिता का नाम दामोदर पंत सावरकर था, वे अंग्रेजी के अच्छे जानकार थे। लेकिन उन्होंने अपने बच्चों को अंग्रेजी के साथ-साथ भारतीय संस्कृति के अनुकरणीय प्रसंगों, रामायण, महाभारत, महाराणा प्रताप, वीर शिवाजी आदि महापुरूषो के प्रसंग भी सुनाया करते थे।

1909 में लिखी पुस्तक 'द इंडियन वॉर ऑफ इंडिपेंडेंस-1857' में सावरकर ने इस लड़ाई को ब्रिटिश सरकार के खिलाफ आजादी की पहली लड़ाई घोषित किया। वीर सावरकर 1911 से 1921 तक अंडमान जेल में रहे। 1921 में वे स्वदेश लौटे और फिर 3 साल जेल भोगी। जेल में 'हिन्दुत्व' पर शोध ग्रंथ लिखा। 1937 में वे हिन्दू महासभा के अध्यक्ष चुने गए। 1943 के बाद वे दादर, मुंबई में रहे। 9 अक्टूबर 1942 को भारत की स्वतंत्रता के लिए चर्चिल को समुद्री तार भेजा और आजीवन अखंड भारत के पक्षधर रहे। दुनिया के वे ऐसे पहले कवि थे जिन्होंने अंडमान के एकांत कारावास में जेल की दीवारों पर कील और कोयले से कविताएं लिखीं और फिर उन्हें याद किया। इस प्रकार याद की हुई 10 हजार पंक्तियों को उन्होंने जेल से छूटने के बाद पुन: लिखा। 26 फरवरी 1966 को भारत के इस महान क्रांतिकारी का निधन हुआ। उनका संपूर्ण जीवन स्वराज्य की प्राप्ति के लिए संघर्ष की प्रेरणास्पद दास्तान है।

अनसुलझे सवालों से जूझता मणिपुर और सियासी हलचल

प्रभाकर मणि तिवारी

बीते करीब 21 महीनों से बड़े पैमाने पर जातीय हिंसा से जूझने वाला पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर अब राजनीतिक अस्थिरता की चपेट में है। मैतेई और कुकी तबके के बीच लगातार भारी हिंसा के बीच ही मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने रविवार शाम को अचानक इस्तीफा दे दिया है। इससे राज्य में अटकलों और कयासों का दौर तेज हो गया है। केंद्र ने हाल में ही पूर्वोत्तर मामलों के जानकार पूर्व केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला को राज्यपाल नियुक्त किया था। लेकिन उसके बाद तेजी से बदलते घटनाक्रम के बीच बीरेन सिंह के इस्तीफे ने राज्य को राजनीतिक अनिश्चितता की ओर धकेल दिया है।

बीरेन सिंह के इस्तीफे की मांग तो मई, 2023 में हिंसा भड़कने के बाद से ही उठने लगी थी। लेकिन तब तस्वीर अलग थी। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भारी बहुमत और मैतेई समुदाय में उनके मजबूत पकड़ के कारण न तो बीरेन सिंह ने ऐसी मांग को कोई तवज्जो दी और न ही केंद्र सरकार या भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने। लेकिन अब हाल के दिनों में तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। पार्टी के जिन विधायकों के बूते बीरेन सिंह मजबूते से कुर्सी पर जमे थे, वही उनको कटघरे में खड़ा करने लगे थे।

पार्टी पर मजबूत पकड़ रखने वाले बीरेन सिंह बीते करीब सात-आठ वर्षों के दौरान राज्य में भाजपा के एक मजबूत नेता के तौर पर उभरे थे। वह दौर ऐसा था जब पार्टी में उनके फैसलों पर कोई सवाल नहीं उठता था। लेकिन एक पुरानी कहावत है कि राजनीति में न तो दोस्ती स्थायी होती है और न ही दुश्मनी। यही वजह है कि कभी जो नेता उन पर आंख मूंदकर भरोसा करते थे वही अब उनको आंखें

दिखाने लगे थे। इनमें विधानसभा अध्यक्ष थोकचोम सत्यब्रत सिंह समेत कुछ मंत्री भी शामिल थे। पार्टी के बागी विधायकों की तादाद धीरे-धीरे एक दर्जन के पार पहुंच गई थी।

उधर, केंद्र सरकार भी बीरेन सिंह को बदलने के पक्ष में नहीं थी। उसका मानना था कि हिंसा के बाद उनको बदलने से गलत संदेश जाएगा। इससे यह साफ हो जाता कि हिंसा रोकने में नाकाम रहने की वजह से ही उनको हटाया गया है। लेकिन अब परिस्थिति इस मोड़ पर पहुंच गई थी कि उनसे इस्तीफा नहीं लेने की स्थिति में पार्टी को सदन में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ सकता था। सोमवार (10 फरवरी) से शुरू होने विधानसभा के बजट अधिवेशन में विपक्षी कांग्रेस ने उनकी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने का फैसला किया था। इसके लिए नोटिस दी जा चुकी थी।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि भाजपा के कम के एक दर्जन विधायक अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए तैयार थे। इन विधायकों ने बीते सप्ताह दिल्ली में केंद्रीय नेताओं से मुलाकात में भी बीरेन सिंह के किलाप जमकर भड़ास निकालते हुए मजबूती से नेतृत्व परिवर्तन की मांग उठाई थी।

इसके साथ ही हाल में वायरल एक वीडियो में मुख्यमंत्री कथित तौर पर यह दावा करते सुने गए थे कि उन्होंने मैतेई संगठन को सरकारी हथियार लूटने में मदद दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने इससे संबंधित याचिका पर सुनवाई के दौरान बीते सप्ताह अदालत ने उस ऑडियो क्लिप की फोरेंसिक जांच का आदेश दिया था।

भाजपा सूत्रों का कहना है कि बीरेन सिंह ने बजट अधिवेशन से पहले उसके प्रावधानों और वित्तीय आवंटन पर चर्चा करने के लिए राजधानी इंफाल में पार्टी के विधायकों की एक बैठक बुलाई थी। लेकिन करीब डेढ़ दर्जन विधायक उस बैठक में नहीं पहुंचे। उसी समय साफ हो गया था कि पानी अब सिर के ऊपर से गुजरने लगा है। उसके बाद मुख्यमंत्री बुधवार को दिल्ली पहुंचे लेकिन तमाम केंद्रीय नेता दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर व्यस्त थे। इसी वजह से बीरेन सिंह ने प्रयागराज में महाकुंभ में डुबकी लगाने का फैसला किया। वहां से लौटने के बाद शनिवार को गृह मंत्री अमित शाह और जे.पी. नड्डा समेत दूसरे नेताओं के साथ मुलाकात के दौरान ही उनके इस्तीफा देने पर सहमति बनी। इसी दौरान शीर्ष नेतृत्व ने पार्टी के नेता संबित पात्रा को असंतुष्ट विधायकों को मनाने के लिए इंफाल भी भेजा लेकिन बात नहीं बन सकी। वहां से लौटने के बाद रविवार शाम को उन्होंने अपना इस्तीफा सौंप दिया।

मैतेई समुदाय के एक भाजपा विधायक बताते हैं कि केंद्रीय नेतृत्व को इस बात की भनक मिल चुकी थी कि इस्तीफा नहीं देने की सूरत में अविश्वास प्रस्ताव के दौरान बीरेन सिंह सरकार का गिरना तय है। वह पार्टी के लिए शर्मनाक स्थिति होती। इसलिए उनको इस्तीफा देने को कह दिया गया। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि दरअसल, मई, 2023 में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच जातीय हिंसा शुरू होने के बाद भी बीरेन सिंह पर इस हिंसा को भड़काने के आरोप लगते रहे। उन पर मैतेई संगठनों को हथियार मुहैया कराने तक के आरोप लगे। बीरेन सिंह के खिलाफ सबसे गंभीर आरोप सशस्त्र मैतेई संगठन आरामबाई टेंग्गोल की मदद करने का लगा है।

इसके बावजूद केंद्र सरकार खासकर मैतेई समुदाय के बीच उनकी भारी लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए उनको कुर्सी से हटाने का खतरा नहीं मोल लेना चाहती थी। लेकिन धीरे-धीरे यह साफ होने लगा था कि बीरेन सिंह ने मैतेई और कुकी समुदाय के बीच इतनी कड़वाहट पैदा कर दी है जिसे पाटना संभव नहीं है। मणिपुर में अब ज्यादा विकल्प नहीं है। केंद्रीय नेतृत्व यहां बीरेन सिंह की जगह किसी बागी नेता को कमान सौंप सकता है या फिर कुछ दिनों के लिए राष्ट्रपति शासन लगा कर परिस्थिति सामान्य होने का इंतजार किया जा सकता है। ऐसे में यह सप्ताह काफी अहम होगा। फिलहाल विधानसभा का बजट अधिवेशन स्थगित कर दिया गया है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अगर राष्ट्रपति शासन लागू करने पर ही सहमति बनी तो संसद के मौजूदा अधिवेशन के खत्म होने का इंतजार किया जाएगा। लेकिन भाजपा के एक विधायक ने दावा किया कि इसकी संभावना कम ही है। इस बीच, कुकी संगठनों ने कहा है कि बीरेन सिंह की जगह भाजपा के किसी और नेता को मुख्यमंत्री बनाने पर भी स्थिति में कोई सुधार नहीं होगा। उन्होंने कुकी बहुल इलाकों के लिए एक प्रशासनिक ढांचा बनाने की मांग दोहराई है। राज्य की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने भी मुख्यमंत्री बदलने की जगह राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग उठाई है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि बीरेन सिंह के इस्तीफे के बावजूद मणिपुर की जमीनी हालत में बदलाव की उम्मीद कम ही है।

आज का इतिहास

1952 विन्सेन्ट मैसी ने कनाडा के पहले गवर्नर-गवर्नर जेनरल के रूप में शपथ ली।
1958 पाकिस्तान के कोट दी जी सिंध प्राप्त के स्थान पर एक प्राचीन सभ्यता के अवशेष बरामद हुए जो मोहनजोदड़ो की सभ्यता से भी लगभग तीन सौ वर्ष पुराने थे।
1993 न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर बम हमले में छह लोग मारे गए थे और 100 से ज्यादा घायल हो गए।
1995 व्यापारी निक लेसन द्वारा सिंगापुर में नुकसान के बाद, बैरिंग्स का लंदन वित्त घर ढह गया।
1995 लंदन में सबसे पुराना मर्चेंट बैंक, बारिंग्स बैंक, सिंगापुर में अपने प्रमुख डेरिवेटिव व्यापारी निक लेसन से टकराव के बाद वायदा कारोबार पर अनधिकृत सट्टा व्यापार करते हुए 827 मिलियन पाउंड का नुकसान हुआ।
1997 दुनिया को बदलें बेबीफेस, बेक और लेनन रोमिस ने 39 वें ग्रैमी पुरस्कार जीते।
1998 न्यू यॉर्क आइलैंडर्स की बिक्री स्टीवन, एम ग्लुकस्टर्न द्वारा पूरी की जाती है।
1998 वेनेजुएला - प्रशांत महासागर में पूर्ण सूर्य ग्रहण (4m09) देखा गया।
1999 पांच ग्रैमी अवार्ड जीतकर रैप गायिका लॉरिन हिल ने नया रिकार्ड बनाया।
2001 क्रिकेट के महानतम खिलाड़ी सर डॉन ब्रैडमैन का निधन हुआ।
2003 लंदन कंजेशन चार्ज योजना शुरू की गयी।
2004 मैसेडोनिया के राष्ट्रपति बेरिस ट्रेज कोवस्की की विमान दुर्घटना में मृत्यु हुई।
2007 नेपाल सरकार द्वारा नरेश की सम्पत्ति का राष्ट्रीयकरण करने की घोषणा हुई।
2008 कोरियाई युद्ध के बाद से संयुक्त राज्य अमेरिका से उत्तर कोरिया की पहली महत्वपूर्ण सांस्कृतिक यात्रा में, न्यूयॉर्क फिलहारमोनिक ऑर्केस्ट्रा ने पूर्वी प्योंगयांग ग्रैंड थियेटर में प्रदर्शन किया।
2009 कोसोवो युद्ध के दौरान, सर्बिया के पूर्व राष्ट्रपति मिलन मुलुतिनोविच युद्ध संकट से बरी हो गए।

महाशिवरात्रि विशेष

छत्तीसगढ़ में शैव परंपरा

प्रो. अश्विनी केशरवानी

महेश्वर महादेव

प्राचीन छत्तीसगढ़ पर दृष्टिपात करें तो हमें इस क्षेत्र में जहां वैष्णव मंदिर, देवी मंदिर जहां बहुतायत में मिलते हैं, वहीं शैव मंदिर अपनी गौरव गाथा कहते नहीं अघाते। छत्तीसगढ़ प्राचीन काल से आज तक अनेक धार्मिक आयोजनों का समन्वय स्थल रहा है। गांवों में स्कूल-कालेज न हो, हाट बाजार न हो, तो कोई बात नहीं, लेकिन नदी-नाले का किनारा हो या तालाब का पार, मंदिर चाहे छोटे रूप में हों, अवश्य देखने को मिलता है। ऐसे मंदिरों में शिव, हनुमान, राधाकृष्ण और रामलक्ष्मणजानकी के मंदिर प्रमुख होते हैं। प्राचीन काल से ही यहां शैव परम्परा बहुत समृद्ध थी। कलचुरि राजाओं ने विभिन्न स्थानों में शिव मंदिर का निर्माण कराया जिनमें चंद्रचूड़ महादेव (शिवरीनारायण), बुढ़ेश्वर महादेव (रतनपुर), पातालेश्वर महादेव (अमरकंटक), पलारी, पुजारीपाली, गंडई-पंडरिया के शिव मंदिर प्रमुख हैं। इसके समकालीन कुछ शिव मंदिर और बने जिनमें पीथमपुर का कालेश्वरनाथ, शिवरीनारायण में महेश्वरनाथ प्रमुख हैं।

छत्तीसगढ़ के अधिकांश शिव मंदिर सृजन और कल्याण के प्रतीक स्वरूप निर्मित हुए हैं। लिंग रहस्य और लिंगोपासना के बारे में स्कंद पुराण में वर्णन मिलता है, उसके अनुसार भगवान महेश्वर अलिंग हैं, प्रकृति प्रधान लिंग है -

आकाशं लिंगमित्याहु पृथिवी तस्य पीठिका।
आलयः सर्व देवानां लयनाल्लिंग मुच्यते।।

अर्थात् आकाश लिंग और पृथ्वी उसकी पीठिका है। सब देवताओं का आलय में लय होता है, इसीलिये इसे लिंग कहते हैं। हिन्दू धर्म में शिव का स्वरूप अत्यंत उदात्त रहा है। पल में रूष्ट और पल में प्रसन्न होने वाले और मनोवाँछित वर देने वाले औघड़दानी महादेव ही हैं।

छत्तीसगढ़ में राजा-महाराजा, जमींदार और मालगुजारों द्वारा निर्मित अनेक गढ़, हवेली, किला और मंदिर आज भी उस काल के मूक साक्षी है। कई लोगों के वंश खत्म हो गये और कुछ राजनीति, व्यापार आदि में संलग्न होकर अपनी वंश परम्परा को बनाये हुए हैं। वंश परम्परा को जीवित रखने के लिए क्या कुछ नहीं करना पड़ता? राजा हो या रंक, सभी वंश वृद्धि के लिए मनौती मानने, तीर्थयात्रा और पूजा-यज्ञादि करने का उल्लेख तात्कालीन साहित्य में मिलता हैं। देव संयोग से उनकी मनौतियां पूरी होती रहीं और देवी-देवताओं के मंदिर इन्ही मनौतियों की पूर्णता पर बनाये जाते रहे हैं, जो कालान्तर में उनके ''कुलदेव'' के रूप में पूजित होते हैं। छत्तीसगढ़ में औघड़दानी महादेव को वंशधर के रूप में पूजा जाता है। खरौद के लक्ष्मणेश्वर महादेव को वंशधर के रूप में पूजा जाता है। यहां लखेसर चढ़ाया जाता है। हसदो नदी के तट पर प्रतिष्ठित कालेश्वरनाथ महादेव वंशवृद्धि के लिए सुविख्यात् है। इसी प्रकार माखन साव के वंश को महेश्वर महादेव ने बढ़ाया। इन्ही के पुण्य प्रताप से बिलाईगढ़-कटगी के जमींदार की वंशबेल बढ़ी और जमींदार श्री प्रानसिंह बहादुर ने नवापारा गांव माघ सुदी 01 संवत् 1894 में महेश्वर महादेव के भोग-रागादि के लिए चढ़ाकर पुण्य कार्य किया।

भगवान शिव अक्षर, अव्यक्त, असीम, अनंत और परात्पर ब्रह्म हैं। उनका देव स्वरूप सबके लिए वंदनीय है। शिवपुराण के अनुसार सभी प्राणियों के कल्याण के लिए भगवान शंकर लिंग रूप में विभिन्न नगरों में निवास करते हैं। उपासकों की भावना के अनुसार भगवान शंकर विभिन्न रूपों में दर्शन देते हैं। वे कहीं ज्योतिर्लिंग रूप में, कहीं नंदीश्वर, कहीं नटराज, कहीं अर्द्धनारीश्वर, कहीं अष्टतत्वात्मक, कहीं गौरीशंकर, कहीं पंचमुखी महादेव, कहीं दक्षिणामूर्ति तो कहीं पार्थिव रूप में प्रतिष्ठित होकर पूजित होते हैं। शिवपुराण में द्वादश ज्योतिर्लिंग के स्थान निर्देश के साथ-साथ कहा गया है कि जो इन 12 नामों का प्रातःकाल उच्चारण करेगा उसके सात जन्मों के पाप धुल जाते हैं। लिंग रहस्य और लिंगोपासना के बारे में स्कंदपुराण में वर्णन है कि भगवान महेश्वरनाथ अलिंग हैं, प्रकृति ही प्रधान लिंग है। महेश्वर निर्गुण हैं, प्रकृति सगुण है। प्रकृति या लिंग के ही विकास और विस्तार से ही विश्व की सृष्टि होती है। अखिल ब्रह्मांड लिंग के ही अनुरूप बनता है। सारी सृष्टि लिंग के ही अंतर्गत है, लिंगमय है और अंत में लिंग में ही सारी सृष्टि का लय भी हो जाता है। ईशान, तत्पुरूष, अघोर, वामदेव और सद्योजात ये पांच शिव जी की विशिष्ट मूर्तियां हैं। इन्हें ही इनका पांच मुख कहा जाता है। शिवपुराण के अनुसार शिव की प्रथम मूर्ति क्रीडा, दूसरी तपस्या, तीसरी लोकसंहार, चैथी अहंकार और पांचवीं ज्ञान प्रधान होती है। छश्रीसगढ़ में शिव जी के प्रायः सभी रूपों के दर्शन होते हैं। आइये इन्हें जानें-

लक्ष्मणेश्वर महादेव

जांजगीर-चांपा जिलान्तर्गत जिला मुख्यालय जांजगीर से 60 कि. मी., बिलासपुर से 64 कि. मी., कोरबा से 110 कि. मी., रायगढ़ से 106 कि. मी. और राजधानी रायपुर से 125 कि. मी. व्हाया बलौदाबाजार, और छश्रीसगढ़ का सांस्कृतिक तीर्थ शिवरीनारयण से दो-ढाई कि. मी. की दूरी पर स्थित खरौद शिवाकांक्षी होने के कारण ''छत्तीसगढ़ की काशी'' कहलाता है। यहां के प्रमुख आराध्य देव लक्ष्मणेश्वर महादेव हैं जो उन्नत किस्म के ''लक्ष्य लिंग'' के पार्थिव रूप में पश्चिम दिशा में पूर्वाभिमुख स्थित हैं। मंदिर के चारों ओर पत्थर की मजबूत दीवार है। इस दीवार के भीतर 110 फीट लंबा और 48 फीट चैड़ा चबुतरा है जिसके उपर 48 फीट ऊंचा और 30 फीट गोलाई लिए भव्य मंदिर स्थित है। मंदिर के गर्भगृह में ''लक्ष्यलिंग'' स्थित है। इसे ''लखेश्वर महादेव'' भी कहा जाता है क्योंकि इसमें एक लाख शिवलिंग है। बीच में एक पातालगामी अक्षय छिद्र है जिसका संबंध मंदिर के बाहर स्थित कुंड से है। शबरीनारायण महात्म्य के अनुसार इस महादेव की स्थापना श्रीराम ने लक्ष्मण की विनती करने पर लंका विजय के निमित्त की थी। इस नगर को ''छत्तीसगढ़ की काशी'' कहा जाता है। इनकी महिमा अवर्णनीय है। महाशिवरात्री को यहां दर्शनार्थियों की अपार भीढ़ होती है। कवि श्री बटुकसिंह चैहान इसकी महिमा गाते हैं-

जो जाये स्नान करि, महानदी गंग के तीर।
लखनेश्वर दर्शन करि, कंचन होत शरीर।।
सिंदूरगिरि के बीच में लखनेश्वर भगवान।
दर्शन तिनको जो करे, पावे परम पद धाम।।

मूल मंदिर के प्रवेश द्वार के उभय पार्श्व में कलाकृति से सुसज्जित दो पाषाण स्तम्भ है। इनमें से एक स्तम्भ में रावण द्वारा कैलासोत्तालन तथा अर्द्धनारीश्वर के दृश्य खुदे हैं। इसी प्रकार दूसरे स्तम्भ में राम चरित्र से सम्बंधित दृश्य जैसे राम-सुग्रीव मित्रता, बाली का वध, शिव तांडव और सामान्य जीवन से सम्बंधित एक बालक के साथ स्त्री-पुरूष और दंडधरी पुरूष खुदे हैं। प्रवेश द्वार पर गंगा-यमुना की मूर्ति स्थित है। मुर्तियों में मकर और कच्छप वाहन स्पष्ट दिखाई देता है। उनके पार्श्व में दो नारी प्रतिमा है। इसके नीचे प्रत्येक पार्श्व में द्वारपाल जय और विजय की मुर्ति है। महामहोपाध्याय गोपीनाथ राव द्वारा लिखित ''आक्नोग्राफी आफ इंडिया'' तथा आर. आर. मजुमदार की ''प्राचीन भारत'' में इस दृश्य का चित्रण मिलता है।

पंडित मालिकराम भोगहा कृत ''श्री शबरीनारायण माहात्म्य'' के पांचवें अध्याय के 95-96 श्लोक में लक्ष्मण जी श्रीरामचंद्रजी से कहते हैं- हे नाथ ! मेरी एक इच्छा है उसे आप पूरी करें तो बड़ी कृपा होगी। रावण को मारने के लिये हम अनेक प्रयोग किये। यह एक शेष है कि इहां ''लक्ष्मणेश्वर महादेव'' थापना आप अपने हाथ कर देते तो उत्तम होता -

रावण के वध हेतु करि चहे चलन रघुनाथ
वीर लखन बोले भई मैं चलिहौं तुव साथ।।
वह रावण के मारन कारन किये प्रयोग यथाविधि हम।
सो अब इहां थापि लखनेश्वर करें जाइ वध दुश्ट अधम।।

यह सुन श्रीरामचंद्रजी ने बड़े 2 मुनियों को बुलवाकर शबरीनारायण के ईशान कोण में वेद विहित संस्कार कर लक्ष्मणेश्वर महादेव की स्थापना की-

यह सुनि रामचंद्रजी बड़े-बड़े मुनि लिये बुलाय।

लखनेश्वर ईशान कोण में वेद विहित थापे तहां जाय।। 97 ।।
....और अनंतर अपर लिंग रघुनाथ। थापना किये अपने हाथ।
पाइके मुनिगण के आदेश। चले लक्ष्मण ले दूसर देश।।

अर्थात एक दूसरा लिंग श्रीरामचंद्रजी अपने नाम से अपने ही हाथ स्थापित किये, जो अब तक गर्भगृह के बाहर पूजित हैं। तभी तो आंचलिक कवि श्री तुलाराम गोपाल अपनी पुस्तक ''शिवरीनारायण और सात देवालय'' में इस मंदिर की महिमा का बखान किया है:-

सदा आज की तिथि में आकर यहां जो मुझे गाये।
लाख बेल के पत्र, लाख चांवल जो मुझे चढ़ाये।।
एवमस्तु! तेरे कृतित्वके क्रम को रखे जारी।
दूर करूंगा उनके दुख, भय, क्लेश, शोक संसारी।।

खरौद में छत्तीसगढ़ का अत्यंत प्राचीन शैव मठ है। इस मठ के महंत निहंग बैरागी लोग थे। इसी प्रकार दूसरा शैव मठ पीथमपुर में था। छत्तीसगढ़ में अनेक राजा महाराजा और मालगुजार बैरागी लोग हुए हैं।

कालेश्वर महादेव

जांजगीर-चांपा जिलान्तर्गत जांजगीर से 10 कि. मी., चांपा से 8 कि. मी. और बिलासपुर से 80 कि. मी. की दूरी पर हसदो नदी के तट पर पीथमपुर स्थित है। यह नगर यहां स्थित ''कालेश्वर महादेव'' के कारण सुविख्यात् है। चांपा के पंडित छविनाथ द्विवेदी ने ''कलिश्वरनाथ महात्म्य स्त्रोत्रम'' संवत् 1987 के लिखा था। उसके अनुसार पीथमपुर के इस शिवलिंग का उद्भव चैत कृष्ण प्रतिपदा संवत् 1940 को हुआ। मंदिर का निर्माण संवत् 1949 में आरंभ हुआ और 1953 में पूरा हुआ। खरियार के राजा वीर विक्रम सिंहदेव ने कालेश्वर महादेव की पूजा अर्चना कर वंश वृद्धि का लाभ प्राप्त किया था। खरियार के युवराज डॉ. जे. पी. सिंहदेव ने मुझे सूचित किया है-''मेरे दादा स्व. राजा वीर विक्रम सिंहदेव ने वास्तव में वंश वृद्धि के लिए पीथमपुर जाकर कालेश्वर महादेव की पूजा और मनौती की थी। उनके आशीर्वाद से दो पुत्र क्रमशः आरतातनदेव, विजयभैरवदेव और दो पुत्री कनक मंजरी देवी और शोभज्ञा मंजरी देवी हुई और हमारा वंश बढ़ गया।'' यहां महाशिवरात्री को एक दिवसीय और फाल्गुन पूर्णिमा से 15 दिवसीय मेला लगता है। धूल पंचमी को यहां प्रतिवर्ष परम्परागत शिव जी की बारात निकलती है जिसमें नागा साधुओं की उपस्थिति उसे जीवंत बना देती है। कवि बटुकसिंह चैहान गाते हैं-

हंसदो नदी के तीर में, कलेश्वर नाथ भगवान।
दर्शन तिनको जो करे, पावही पद निर्वाण।।
फागुन मास के पूर्णिमा, होवत तहं स्नान।
काशी समान फल पावहीं, गावत वेद पुराण।।

चंद्रचूड़ महादेव

जांजगीर-चांपा जिलान्तर्गत जांजगीर से 67 कि. मी., बिलासपुर से 67 कि. मी. की दूरी पर छत्तीसगढ़ की पुण्यतोया नदी महानदी के तट पर शिवरीनारायण स्थित है। जोंक, शिवनाथ और महानदी का त्रिवेणी संगम होने के कारण इसे ''प्रयाग'' की मान्यता है। यहां भगवान नारायण के मंदिर के सामने पश्चिमाभिमुख चंद्रचूड़ महादेव स्थित हैं। मंदिर के द्वार पर एक विशाल नंदी की मूर्ति है। बगल में एक जटाधारी किसी राज पुरूष की मूर्ति है। गर्भगृह में चंद्रचूड़ महादेव और हाथ जोड़े कलचुरि राजा-रानी की प्रतिमा है। मंदिर के बाहर संवत् 919 का एक शिलालेख हैं। इसके अनुसार कुमारपाल नामक कवि ने इस मंदिर का निर्माण कराया और भोजनादि की व्यवस्था के लिए चिचोली नामक गांव दान में दिया। इस शिलालेख में रतनपुर के कलचुरि राजाओं की वंशावली दी गयी है। यहां का माहात्म्य बटुकसिंह चैहान के मुख से सुनिए-

महानदी गंग के संगम में, जो किन्हे पिंड कर दान।
सो जैहै बैकुंठ को, कही बटुकसिंह चौहान ।।

महेश्वर महादेव

शिवरीनारायण में ही महानदी के तट पर छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध मालगुजार श्री माखनसाव के कुलदेव महेश्वर महादेव और कुलदेवी शीतला माता का भव्य मंदिर, बरमबाबा की मूर्ति और सुन्दर घाट है। सुप्रसिद्ध साहित्यकार पंडित मालिकराम भोगहा द्वारा लिखित श्रीशबरीनारायण माहात्म्य के अनुसार इस मंदिर का निर्माण संवत् 1890 में माखन साव के पिता श्री मयाराम साव और चाचा श्री मनसाराम और सरधाराम साव ने कराया है। माखन साव भी धार्मिक, सामाजिक और साधु व्यक्ति थे। ठाकुर जगमोहनसिंह ने 'सज्जनाष्टक' में उनके बारे में लिखा है-

माखन साहु राहु दारिद कहं अहै महाजन भारी।
दीन्हो घर माखन अरू रोटी बहुबिधि तिनहिं मुरारी।।24।।
लच्छ पती सुद शरन जनन को टारत सकल कलेशा।
द्रब्य हीन कहं है कुबेर सम रहत न दुख को लेशा।।25।।
दुओ धाम प्रथमहिं करि निज पग कांवर आप चढ़ाई।
सेतुबन्ध रामेसुर को लहि गंगा जल अन्हवाई।।26।।
चार बीस शरदहुं के बीते रीते गोलक नैना।
लखि असार संसार पार कहं मूंदे दृग तजि चैना।।27।।

महेश्वरनाथ के वरदान से ही माखन साव के वंश की वृद्धि हुई और आज विशाल वठ वृक्ष की भांति फैला हुआ है। महेश्वरनाथ के आशीर्वाद से बिलाईगढ़-कटगी के जमींदार के वंश की वृद्धि हुई जिससे प्रसन्न होकर बिलाईगढ़ के जमींदार श्री प्रानसिंह ने माघ सुदी 01 संवत् 1894 मे नवापारा गांव इस मंदिर के व्यवस्था और भोगराग आदि के लिए चढ़ाया था। शिवरीनारायण के अलावा हसुवा, टाटा और लखुर्री में महेश्वर महादेव और झुमका में बजरंगबली का भव्य मंदिर है। हसुवा के महेश्वर महादेव के मंदिर को माखन साव के भतीजा और गोपाल साव के पुत्र बैजनाथ साव, लखुर्री के महेश्वरनाथ मंदिर को सरधाराम साव के प्रपौत्र प्रयाग साव ने और झुमका के बजरंगबली के मदिर को बहोरन साव ने बनवाया। इसी प्रकार टाटा के घर में अंडोल साव ने शिवलिंग स्थापित करायी थी। माखन वंश द्वारा निर्मित सभी मंदिरों के भोगराग की व्यवस्था के लिए कृषि भूमि निकाली गयी थी। इससे प्राप्त अनाज से मंदिरों में भोगराग की व्यवस्था होती थी। आज भी ये सभी मंदिर बहुत अच्छी स्थिति में है और उनके वंशजों के द्वारा सावन मास में श्रावणी पूजा और महाशिवरात्रि में अभिषेक किया जाता है। शिवरीनारायण के इस महेश्वरनाथ मंदिर के प्रथम पुजारी के रूप में श्री माखन साव ने पंडित रमानाथ को नियुक्त किया था। पंडित रमानाथ ठाकुर जगमोहनसिंह द्वारा सन् 1884 में लिखित तथा प्रकाशित पुस्तक ''सज्जनाष्टक'' के एक सज्जन थे। उनके मृत्यूपरांत उनके पुत्र श्री शिवगुलाम इस मंदिर के पुजारी हुए। फिर यह परिवार पीढ़ी दर पीढ़ी इस मंदिर का पुजारी हुआ। इस परिवार के अंतिम पुजारी पंडित देवी महाराज थे जिन्होंने जीवित रहते इस मंदिर में पूजा-अर्चना की, बाद में उनके पुत्रों ने इस मंदिर का पुजारी बनना अस्वीकार कर दिया। सम्प्रति इस मंदिर में पंडित कार्तिक महाराज के पुत्र श्री सुशील दुबे पुजारी के रूप में कार्यरत हैं।

पातालेश्वर महादेव

बिलासपुर जिला मुख्यालय से 32 कि. मी. की दूरी पर बिलासपुर-शिवरीनारायण मार्ग में मस्तुरी से जोंधरा जाने वाली सड़क के पार्श्व में स्थित प्राचीन ललित कला केंद्र मल्हार प्राचीन काल में 10 कि. मी. तक फैला था। यहां दूसरी सदी की विष्णु की प्रतिमा मिली है और ईसा पूर्व छटवीं से तेरहवीं शताब्दी तक क्रमबद्ध इतिहास मिलता है। यहां का पातालेश्वर महादेव जग प्रसिद्ध है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कलचुरि राजा जाज्वल्यदेव द्वितीय के शासनकाल में संवत 1919 में पंडित गंगाधर के पुत्र सोमराज ने इस मंदिर का निर्माण कराया है। भूमिज शैली के इस मंदिर में पातालगामी छिद्र युक्त पातालेश्वर महादेव स्थित हैं। इस मंदिर की आधार पीठिका 108 कोणों वाली है और नौ सीढ़ी उतरना पड़ता है। प्रवेश द्वार की पट्टिकाओं में दाहिनी ओर शिव-पार्वती, ब्रह्मा-ब्रह्माणी, गजासुर संहारक शिव, चैसर खेलते शिव-पार्वती, ललितासन में प्रेमासक्त विनायक और विनायिका और नटराज प्रदर्शित हैं।

बुढ़ेश्वर महादेव

बिलासपुर जिला मुख्यालय से 22 कि. मी. की दूरी पर प्राचीन छत्तीसगढ़ की राजधानी रतनपुर स्थित है। यहां कलचुरि राजाओं का वर्षो तक एकछत्र शासन था। यहां उनके कुलदेव बुढ़ेश्वर महादेव और कुलदेवी महामाया थी। डॉ. प्यारेलाल गुप्त के अनुसार तुम्माण के बंकेश्वर महादेव की कृपा से कलचुरि राजाओं को दक्षिण कोसल का राज्य मिला था। उनके वंशज राजा पृथ्वीदेव ने यहां बुढ़ेश्वर महादेव की स्थापना की थी। इसकी महिमा अपार है। मंदिर के सामने एक विशाल कुंड है।

पाली का शिव मंदिर

बिलासपुर जिला मुख्यालय से अम्बिकापुर रोड में 50 कि. मी. की दूरी पर पाली स्थित है। ऐसा उल्लेख मिलता है कि प्राचीन रतनपुर का विस्तार दक्षिण-पूर्व में 12 मील दूर पाली तक था, जहां एक अष्टकोणीय शिल्पकला युक्त प्राचीन शिव मंदिर एक सरोवर के किनारे है। मंदिर का बाहरी भाग नीचे से उपर तक कलाकार की छिनी से अछूता नहीं बचा है। चारों ओर अनेक कलात्मक मूर्तियां इस चतुराई से अंकित है, मानो वे बोल रही हों-देखो अब तक हमने कला की साधना की है, तुम पूजा के फूल चढ़ाओ। मध्य युगीन कला की शुरूवात इस क्षेत्र में इसी मंदिर से हुई प्रतीत होती है। खजुराहो, कोणार्क और भोरमदेव के मंदिरों की तरह यहां भी काम कला का चित्रण मिलता है।

रूद्रेश्वर महादेव

बिलासपुर से 27 कि. मी. की दूरी पर रायपुर राजमार्ग पर भोजपुर ग्राम से 7 कि. मी. की दूरी पर और बिलासपुर-रायपुर रेल लाइन पर दगौरी स्टेशन से मात्र एक-डेढ़ कि. मी. दूर अमेरीकापा ग्राम के समीप मनियारी और शिवनाथ नदी के संगम के तट पर ताला स्थित है जहां शिव जी की अद्भुत रूद्र शिव की 9 फीट ऊंची और पांच टन वजनी विशाल आकृति की उर्द्धवरेतस प्रतिमा है जो अब तक ज्ञात समस्त प्रतिमाओं में उच्चकोटि की प्रतिमा है। जीव-जन्तुओं को बड़ी सूक्ष्मता से उकेरकर संभवतः उसके गुणों के सहधर्मी प्रतिमा का अंग बनाया गया है।

गंधेश्वर महादेव

रायपुर जिलान्तर्गत प्राचीन नगर सिरपुर महानदी के तट पर स्थित है। यह नगर प्राचीन ललित कला के पांच केंद्रों में से एक है। यहां गंधेश्वर महादेव का भव्य मंदिर है, जो आठवीं शताब्दी का है। माघ पूर्णिमा को यहां प्रतिवर्ष मेला लगता है।

कुलेश्वर महादेव

रायपुर जिला मुख्यालय से दक्षिण-पूर्वी दिशा में 50 कि. मी. की दूरी पर महानदी के तट पर राजिम स्थित है। यहां भगवान राजीव लोचन, साक्षी गोपाल, कुलेश्वर और पंचमेश्वर महादेव सोढ़ुल, पैरी और महानदी के संगम के कारण पवित्र, पुण्यदायी और मोक्षदायी है। यहां प्रतिवर्ष माघ पूर्णिमा से 15 दिवसीय मेला लगता है। इस नगर को छत्तीसगढ़ शासन पर्यटन स्थल घोषित किया है।

इसके अलावा पलारी, पुजारीपाली, गंडई-पंडरिया, बेलपान, सेमरसल, नवागढ़, देवबलौदा, महादेवघाट (रायपुर), चांटीडीह (बिलासपुर), और भोरमदेव आदि में भी शिव जी के मंदिर हैं जो श्रद्धा और भक्ति के प्रतीक हैं। इन मंदिरों में श्रावण मास और महाशिवरात्री में पूजा-अर्चना होती है।

कितनी उचित है गंगाजल पर बयान बाजी

रमेश सर्राफ धमोरा

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज शहर में महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। विद्वानो का कहना है कि 144 वर्षों के बाद इस बार का महाकुंभ विशेष योग में संपन्न हो रहा है। ऐसे में यहां स्नान करने का सर्वाधिक महत्व है। मकर संक्रांति से प्रारंभ होकर महाशिवरात्रि तक चलने वाला महाकुंभ अब अपने समापन की ओर बढ़ रहा है। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अब तक 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रयागराज के महाकुंभ में स्नान कर लिया है। समापन तक यह संख्या करीबन 65 करोड़ पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है।

इस बार महाकुंभ में जितने लोगों ने स्नान किया है वह दुनिया के एक-दो देशों को छोड़कर अधिकांश देशों की कुल जनसंख्या से भी अधिक होती है। भारत के ही नहीं अपितु विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महाकुंभ में स्नान कर पूजा अर्चना की है। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल, सांसद, विधायक सहित देश के आम लोगों के मन में कुंभ स्नान के प्रति जो श्रद्धा देखी जा रही है। वैसी श्रद्धा इससे पहले शायद ही देखी गई होगी।

हालांकि मौनी अमावस्या के अवसर पर महाकुंभ के संगम तट पर भगदड़ मचने से करीबन 37 लोगों की भीड़ में दबकर मौत हो गई थी। इसी तरह कुंभ आने के लिए नई दिल्ली स्टेशन पर एकत्रित भीड़ में भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण थी जिसमें प्रशासनिक लापरवाही का भी बहुत बड़ा हाथ माना जा रहा है। हालांकि दोनों ही घटनाओं की उच्च स्तरीय जांच हो रही है। जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही असली दोषियों का पता चल सकेगा।

शांतिपूर्वक संपन्न हो रहे कुंभ में ऐसी दो दुर्घटनाएं होने के बाद भी कुंभ स्नान करने वालों की संख्या में कमी नहीं हुई बल्कि दिन प्रतिदिन यह संख्या बढ़ती ही जा रही है। वर्तमान में हर दिन सवा करोड़ से अधिक लोग महाकुंभ में गंगा स्नान कर रहे हैं। आने वाली महाशिवरात्रि पर यह संख्या कई गुना अधिक होने की संभावनाएं व्यक्त की जा रही है। जिसको लेकर बड़े स्तर पर प्रशासनिक तैयारियां की जा रही है। ताकि महाकुंभ में किसी तरह की दुर्घटना

की पुनरावृत्ति नहीं हो। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं प्रयागराज आकर महाशिवरात्रि के पवित्र स्नान की तैयारी का जायजा ले चुके हैं। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को पूरी चैकसी बरतने के निर्देश दिए हैं।

जहां एक तरफ महाकुंभ में करोड़ों लोग स्नान कर रहे हैं इस बीच केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा-यमुना का पानी नहाने के योग्य नहीं है। सीपीसीबी ने इस रिपोर्ट को तीन फरवरी को तैयार किया था। रिपोर्ट को तैयार करने के लिए सीपीसीबी ने नौ से 21 जनवरी के बीच प्रयागराज में अलग-अलग जगह पर गंगा-यमुना के 73 सैंपल जमा किए। इन सैंपलों की छह मानकों पानी का पीएच वैल्यू, फीकल कोलीफॉर्म, बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड, केमिकल ऑक्सीजन डिमांड और डिजॉल्वड ऑक्सीजन पर जांच की गयी। जितने भी जगहों से सैंपल लिए गए हैं उनमें ज्यादातर में फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की मात्रा मानक से अधिक पाई गई है। बाकी के पांच मानकों पर पानी की गुणवत्ता मानक के मुताबिक मिली। सीपीसीबी की वेबसाइट पर दिए आंकड़ों के मुताबिक 29 जनवरी को संगम पर गंगा में फीकल कोलीफॉर्म की मात्रा 2300 पाई गई थी। 29 जनवरी को ही मौनी अमावस्या का पर्व था। इसे महाकुंभ में सबसे बड़ा अमृत स्नान माना गया है। उस दिन गंगा-यमुना में कई करोड़ लोगों ने डबकी लगाई थी।

महाकुंभ में गंगा के जल की शुद्धता को लेकर लगातार सवालो के बीच देश के जाने-माने वैज्ञानिक पद्मश्री डॉ. अजय सोनकर ने गंगा के जल को सिर्फ स्नान योग्य ही नहीं बल्कि अल्कलाइन वाटर जितना शुद्ध बताया है। संगम, अरैल समेत पांच घाटों के गंगाजल की लैब में जांच के बाद उन्होंने यह दावा किया है। उनका कहना है कि महाकुंभ में 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालु के गंगा में स्नान के बाद भी इसकी शुद्धता पर कोई असर नहीं पड़ा है। मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम के साथ वैज्ञानिक विमर्श करने वाले डॉ. अजय कुमार सोनकर ने कहा कि उन्होंने अपनी नैनी स्थित प्रयोगशाला में गंगा के जल की जांच की। गंगाजल की शुद्धता पर सवाल उठाने वालों को प्रयोगाशाला में जांच की चुनौती भी दी। कहा है कि जिसे जरा भी संदेह हो वह मेरे सामने गंगा जल ले और हमारी प्रयोगशाला में जांच कर संतुष्ट हो जाए।

शीर्ष भारतीय वैज्ञानिक डॉ. सोनकर ने कहा है कि गंगाजल सबसे शुद्ध है। यहां नहाने से किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हो सकता है। बैक्टीरियोफेज (बैक्टीरिया खाने वाला) के कारण गंगा जल की शुद्धता बरकरार है। प्रयोगशाला में जल के नमूनों को 14 घंटों तक इंक्यूबेशन तापमान पर रखने के बाद भी उनमें किसी भी प्रकार की हानिकारक बैक्टीरिया की वृद्धि नहीं हुई। डॉ. अजय सोनकर ने कहा कि गंगा का जल न केवल स्नान के लिए सुरक्षित है। बल्कि इसके संपर्क में आने से त्वचा संबंधी रोग भी नहीं होते हैं।

डॉ. अजय कुमार सोनकर ने बताया कि पांच घाटों से गंगा जल के नमूने लिए और लैब में सूक्ष्म परीक्षण किया। इस दौरान पाया गया कि करोड़ों श्रद्धालुओं के स्नान के बावजूद जल में न तो बैक्टीरियल ग्रोथ हुई न ही जल के पीएच स्तर में कोई गिरावट आई। इस शोध में पाया कि गंगा जल में 1100 प्रकार के बैक्टीरियोफेज मौजूद हैं। जो किसी भी हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर देते हैं। इस वजह से जल दूषित नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि गंगा जल की अम्लीयता (पीएच) सामान्य से बेहतर है और उसमें किसी भी प्रकार की दुर्गंध या जीवाणु वृद्धि नहीं पाई गई। गंगाजल के सैंपल का पीएच स्तर भी 8.4 से लेकर 8.6 तक पाया गया। जो काफी बेहतर माना गया है।

सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने 3 फरवरी को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में एक रिपोर्ट देकर बताया कि प्रयागराज संगम का पानी नहाने के लिए उपयुक्त नहीं है। इसके बाद यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने 18 फरवरी को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में एक नई रिपोर्ट देकर सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की रिपोर्ट को झुठला दिया है।

पाकिस्तानी आतंकियों पर शिकंजा कसने के नए कदमों के संकेत

आलोक मेहता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वॉशिंगटन यात्रा के दौरान पाकिस्तान सीमा से आतंकी हमलों के विरुद्ध संयुक्त प्रयास का संकल्प और आतंकियों के प्रत्यर्पण की घोषणा पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऐलान किया है कि 26 नवंबर 2008 को मुंबई पर हुए हमलों के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित किया जाएगा। आतंकवादी हमले से जुड़े राणा को भारत में न्याय का सामना करना होगा। भारत कई वर्षों से राणा के प्रत्यर्पण की मांग करता रहा है। एक बार तो अमेरिकी अदालत ने तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित करने की अनुमति भी दे दी थी। लेकिन पिछले साल नवंबर में उसने इस पर पुनर्विचार याचिका दायर की थी। इस याचिका को भी सुप्रीम कोर्ट ने पिछले महीने खारिज कर दिया है।

पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने मुंबई पर हमले की साजिश रची थी। भारत, इस संगठन के प्रमुख हाफिज सईद को पाकिस्तान से प्रत्यर्पित करने की मांग करता रहा है। अमेरिका से राणा तथा अन्य आरोपियों की वापसी के साथ कनाडा और पाकिस्तान पर दबाव बढ़ सकता है।आतंकी साजिशकर्ता राणा पर भारत में कानूनी कार्रवाई चलने और पूछताछ से न केवल पाकिस्तान बल्कि अन्य देशों से संपर्क और फंडिंग से आतंकी गतिविधियों को सहायता करने वालों का भंडाफोड़ हो सकता है। राणा और उसके साथी हेडली ने छद्म नामों, कंपनियों का सहयोग लेकर आतंकी गतिविधियों का इंतजाम किया था।

भारतीय एजेंसियों की ओर से पाकिस्तानी-अमेरिकी नागरिक डेविड कोलमैन हेडली के खिलाफ जांच में एक नाम बार-बार आ रहा था,

और वो नाम था तहव्वुर हुसैन राणा का। शिकागो में कड़ी सुरक्षा के बीच चार हफ्ते तक चले मुकदमे के दौरान राणा के बारे में कई जानकारियां सामने आई थीं। इस मुकदमे की सबसे अहम बात ये रही कि हेडली तहव्वुर राणा के खिलाफ सरकारी गवाह बन गया।

तहव्वुर हुसैन राणा का जन्म पाकिस्तान में हुआ और वहीं परवरिश हुई। मेडिकल डिग्री हासिल करने के बाद वो पाकिस्तानी सेना की मेडिकल कोर में शामिल हो गया था। राणा की पत्नी भी डॉक्टर थी। 1997 में दोनों पति-पत्नी कनाडा चले गए और 2001 में कनाडा के नागरिक बन गए।

साल 2009 में अपनी गिरफ्तारी से कुछ साल पहले राणा ने अमेरिका के शिकागो में एक इमिग्रेशन और ट्रैवल एजेंसी खोली। शिकागो में डेविड कोलमैन हेडली के साथ उसकी पुरानी दोस्ती फिर से शुरू हो गई थी। हेडली ने जब मुंबई पर हमले की तैयारी शुरू की तो वे 2006 से 2008 के बीच कई बार मुंबई आए।

बार-बार भारत आने पर किसी को शक न हो इससे बचने के लिए हेडली ने राणा की ट्रैवल एजेंसी की एक शाखा मुंबई में खोली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बार अमेरिका वार्ता में भी अवैध घुसपैठ के लिए सहायक लोगों और ट्रैवल एजेंसियों पर कड़ी नजर व कार्रवाई पर जोर दिया। डेविड कोलमैन हेडली को अमेरिका की एक जेल में 35 साल के लिए बंद रखा गया है, जबकि राणा लॉस एंजिल्स की जेल में है और उसे भारत में तिहाड़ जेल में रखने की तैयारियां हो रही हैं।

अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

बच्चों को भविष्य के लिए इस तरह से करें तैयार

प्रवीर और मृदुल इत्तेफाक से रूममेट बन गए। मृदुल की मां कॉर्पोरेट सेक्टर में काम करती है, इसलिए उसका परिवेश एकदम ही अलग है। दूसरी और प्रवीर की मां सरकारी दफ्तर में काम करती है इसलिए उसका परिवेश मृदुल से कुछ अलग था। एक तरफ मृदुल हर तरह से आत्म-निर्भर और आत्मविश्वासी है तो दूसरी तरफ प्रवीर हर चीज को टालता रहता है। शुरुआत में दोनों को एक-दूसरे के साथ एडजस्ट होने में बहुत दिक्कतें पेश आईं। मृदुल क्या पहनना है से लेकर पिकनिक पर कहां जाना है और शाम को क्या सब्जी बनाने से लेकर बुक-शॉप से कौन-सी बुक खरीदनी है, जैसे सारे निर्णय स्वयं लेता है तो दूसरी तरफ प्रवीर को हर तरह का निर्णय लेने में दूसरों की जरूरत लगती है। वजह.स्पष्ट है-मृदुल को बचपन से ही निर्णय लेने के लिए प्रेरित भी किया और निर्णय लेने भी दिया गया। प्रवीर को हमेशा ही बच्चा कहा गया और हर उस अवसर से उसे दूर रखा गया, जहां विकल्पों में से चुनाव करना था। अक्सर हम बच्चों के बड़े होने के दौरान ही उन्हें निर्णय लेने की क्रिया से वंचित करते चलते हैं और फिर जब वे बड़े हो जाते हैं तब एकाएक उन्हें कहने लगते हैं कि अब बड़े हो गए हो, अपने निर्णय खुद ही करो। उस पर जब उनका निर्णय गलत सिद्ध होता है तब हम उन्हें ही दोष देने लगते हैं कि इतने बड़े हो गए, लेकिन अब तक यह समझ नहीं आया कि अपने लिए क्या सही है और क्या गलत है?

बच्चों को अपने पैरों पर खड़ा होने देना सिर्फ एक कहावत नहीं है, बल्कि उन्हें हर तरह से आने वाले जीवन और हकीकतों के सामने खड़े होने और लड़ने की कूव्वत देना है। इस मामले में एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि जब बच्चे घर से बाहर पढ़ने के लिए जाते हैं तब लड़कियां लड़कों की तुलना में जल्दी एडजस्ट कर लेती है। हो सकता है इसके सामाजिक कारण भी हो, लेकिन एक बात यह भी है कि बहुत सारे मामलों में लड़कियां ज्यादा लचीली होती है और दूसरे घर के छोटे-मोटे कामों में मां का हाथ बंटाते-बंटाते वह कब आत्मविश्वास पा लेती है, इसका उन्हें खुद भी ज्ञान नहीं होता है। अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

उन्हें एक कोना दें

चाहे जो परिस्थिति हो, आप अपने बच्चे को एक ऐसा कोना जरूर उपलब्ध कराएं, जिसे वह स्वयं व्यवस्थित करें। याद करें स्कूलों में बच्चों को दिया जाना वाला लॉकर। इसी तरह एक ड्रॉवर या एक लॉकर उसे जरूर दें, जहां वह अपनी चीजें व्यवस्थित कर रख सकें। इससे उसमें जिम्मेदारी का भाव भी आएगा और निर्णय करने की क्षमता का विकास भी होगा। जब वह उसे अपनी तरह से व्यवस्थित कर पाएगा तो उसमें आत्मविश्वास भी आएगा।

छोटे-छोटे निर्णय करने दें

अपने बच्चे को छोटे-छोटे निर्णय स्वयं करने दें। जैसे अपने दोस्त की बर्थडे पार्टी में वह क्या पहन कर जाना चाहता है? या फिर डिनर के लिए जाते हुए वह किस तरह के कपड़े पहनना चाहता है? या रेस्टोरेंट में उसे स्वयं अपना ऑर्डर देने के लिए कहें। आइसक्रीम का कौन-सा फ्लैवर या किस तरह का पित्जा वह खाना चाहता है, इसका निर्णय उसे स्वयं करने दें।

अपने रिश्ते उसे ही निभाने दें

यदि उसके दोस्त का जन्मदिन है या वह अपने दोस्त को किसी खास मौके पर पार्टी देना चाहता है या गिफ्ट देना चाहता है तो उसे खुद ही निर्णय करने दें। यदि वह आपसे राय मांगे तो उसे सुझाव दें। उसके समक्ष विकल्प रखें, उसे निर्णय न सुनाएं। उससे पूछे कि उसके दोस्त की रूचि क्या करने में है? उसी हिसाब से वह उसे गिफ्ट दें, लेकिन यह न बताएं कि उसे क्या गिफ्ट दे!

घर के छोटे-छोटे काम करने के लिए कहें

भारतीय घरों में अक्सर घर के कामों को लड़कियों के हिस्से में माना जाता है। ऐसे में अक्सर हम लड़कों को इससे अलग रखते हैं। लेकिन अब चूंकि लड़कों को भी अलग-अलग वजहों से घर से बाहर जाना पड़ता है, इसलिए उन्हें भी घर के काम करना आना चाहिए। इससे घर से बाहर एडजस्ट करने में उन्हें असुविधा नहीं होगी। खासतौर पर चाय बनाना, नाश्ता बना पाना और हां अपने कपड़ों को खुद ही धोना अपने बच्चे को जरूर सिखाएं।

अपनी समस्याओं को उन्हें ही हल करने दें

भाई-बहनों के बीच के झगड़े हो या फिर दोस्तों के बीच हुए विवादबच्चे को अपनी समस्याओं से खुद ही लड़ने को कहें। स्कूल के एन्यूएल फंक्शन में पार्टिसिपेशन के लिए डांस की तैयारी करनी हो या फिर कॉस्ट्यूम अरेंज करना हो, बच्चों को मार्गदर्शन तो दें, लेकिन उसका काम आप न करें।

इस तरह की छोटी-छोटी चीजें करके आप बच्चे को भविष्य के लिए तैयार कर सकते हैं। आखिर उसे आपके घर की छत से बाहर जाकर अपने लिए जमीन तलाशनी है और दुनिया बनानी है। अपनी छाया से अलग करके ही आप उसे विकसित होने का अवसर देंगी, ये न सिर्फ आपके लिए बल्कि स्वयं बच्चे के लिए भी अच्छा होगा।

बच्चे के पुराने खिलौने फेंके नहीं बल्कि ऐसे करें इस्तेमाल

अपने बच्चों के लिएही खिलौने चुनने में पेरेंट्स बहुत समय लगा देते हैं। आप जिस खिलौने को पसंद करने में घंटों लगा देते हैं, बच्चा उससे कुछ साल ही खेल पाता है और बड़ा होने पर वो खिलौने उसके किसी काम के नहीं रहते हैं। जब बच्चा खिलौनों से खेलना बंद कर देता है, तो पेरेंट्स के लिए इन्हें संभालकर रखना मुश्किल हो जाता है। उन्हें समझ नहीं आता है कि वो इन खिलौनों को कहां रखें या इनका क्या करें।

खिलौनों का क्या करें

अगर आपके बच्चे के ढेरों खिलौने अब बेकार पड़े हैं और घर में उनसे खेलने वाला कोई नहीं है, तो आप उन्हें दान कर सकते हैं। इस तरह से खिलौने उन बच्चों तक पहुंच पाएंगे, जिन्हें सच में इसकी जरूरत हो। आपकी इस कोशिश से किसी मासूम बच्चे के चेहरे पर मुस्कान आ सकती है। यहां हम आपको कुछ ऐसे तरीके और जगहें बता रहे हैं, जहां आप अपने बच्चों के खिलौनों को दान कर सकते हैं।

कैसे खिलौने कर सकते हैं दान

जो खिलौने अच्छी कंडीशन में हों और ज्यादा इस्तेमाल न किए गए हों, उन्हें दान के रूप में स्वीकार कर लिया जाता है। आप ब्लॉक्स, पजल्स, बोर्ड गेम, स्टफ्ड एनीमल, टॉय कार, क्राफ्ट किट, स्पोर्ट्स किट, एक्टिविटी बुक जैसे कई तरह के टॉएज दान कर सकते हैं। हालांकि, कई जगहों पर मुंह में लेने वाले खिलौने दान में नहीं लिए जाते हैं जैसे कि पैसिफायर और टीथर आदि। आप खिलौनों को दान करने से पहले कंफर्म कर लें कि उस जगह पर किस तरह के टॉएज लिए जाते हैं।

चैरिटी में

आप उन संस्थानों में खिलौनों को दान कर सकते हैं जो चैरिटी करती हों। ये संस्थाएं अनाथ बच्चों को ये खिलौने देती हैं। इसके अलावा इनके द्वारा गरीब परिवारों के बच्चों को भी खिलौने और जरूरी सामान दिए जाते हैं।

शेल्टर या आश्रय स्थल

वुमेन शेल्टर होम में भी आप खिलौनों को दान कर सकते हैं। इन जगहों पर बच्चों के पास बहुत कम चीजें और सुविधाएं होती हैं। ये लोग आपके गिफ्ट और खिलौनों को आसानी से ले लेंगे। आप इन्हें खिलौनों के अलावा कपड़े और टॉयलेटरीज भी दान कर सकते हैं। इसके अलावा और क्या-क्या दान कर सकते हैं, यह जानने के लिए आप सीधा शेल्टर होम में बात कर सकते हैं।

चिल्ड्रेन होम

आप अनाथ आश्रम में भी बच्चों के खिलौने दान कर सकते हैं। यहां हर उम्र के बच्चे होते हैं जिन्हें आपके खिलौने पसंद आ सकते हैं।

अस्पताल या धार्मिक केंद्र

कई अस्पताल भी बच्चों के खिलौने लेते हैं। यहां दाखिल होने वाले बच्चों को ट्रीटमेंट के दौरान खिलौनों से खेलने दिया जाता है। इसके अलावा आपके आसपास के धार्मिक केंद्रों में भी बच्चों के खिलौने लिए जा सकते हैं। आप मंदिर के बाहर बैठे बच्चों को खिलौने दे सकते हैं। इन बच्चों के पास बचपन की सबसे प्यारी चीज यानि खिलौनों के नाम पर कुछ नहीं होता है। ऐसे में आपकी छोटी सी मदद इनके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है।

छोटी-सी तारीफ भी देती है बड़ी खुशी

कोई भी महिला तब और निखर उठती है, जब कोई उसकी खूबसूरती की तारीफ करने वाला हो। कोई उसकी छोटी-छोटी जरूरतों का खयाल रखने वाला हो। अगर वह अपने साथी के लिए कुछ करे तो वह उसे नोटिस करे। जब साथी इन बातों का खयाल रखता है तो दांपत्य जीवन खुशियों से महक उठता है।

आज सुबह से ही तन्वी का मन कुछ उदास था, न जाने किस सोच में गुम थी। पिछले काफी समय से सोच रही थी कि उसकी शादीशुदा जिंदगी में कुछ कमी-सी है लेकिन तभी मोबाइल पर आए एक मैसेज ने जिंदगी में छाई सारी निराशाओं को पल भर में मानो दूर भगा दिया और तन्वी के मन में एकाएक नई उमंगें तैरने लगीं। इसमें लिखा था-' कैसी हो स्वीटहार्ट' ? तुम्हारा दिन कैसा बीत रहा है?

यह मैसेज पढ़ते ही तन्वी का उदासी में डूबा दिन खुशनुमा हो उठा। उसके मन में शाम की कई प्लानिंग चलने लगीं। आईने में खुद को बार-बार निहारने लगी। वाकई में तन्वी जितनी खुश थी, उसकी चमक उसके चेहरे पर स्पष्ट दिखाई दे रही थी। उसके बाद ही तन्वी ने भी पूरी गर्मजोशी से मैसेज का जवाब भी दिया और उसके खुश रहने के साथ पूरे घर का माहौल खुशनुमा हो गया।

क्या चाहती हैं महिलाएं

अक्सर पुरुष सोचते हैं कि स्त्रियों को खुश करना बड़ा मुश्किल है, लेकिन वे नहीं जानते कि उनकी जीवनसंगिनी खुश होने के लिए बेशकीमती तोहफा नहीं चाहती, उसे तो प्यार से दी गई एक कैंडी भी खुश कर सकती है। लंबे से मेल के बजाय प्यार में डूबी छोटी-सी पंक्ति भी जीवनसाथी को प्रसन्ना कर सकती है। बस, इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

बस थोड़ी-सी केयर

सचाई यह है कि करियर में कोई स्त्री कितनी भी कामयाब क्यों न हो जाए, उसे सबसे बड़ी खुशी तब मिलती है, जब उसका साथी उसकी छोटी-छोटी ख्वाहिशों को समझता हो, उनका खयाल रखता हो। दरअसल, ऐसा करते हुए वह यह जता देता है कि वह उसके लिए कितनी खास है। महिलाएं हमेशा से चाहती हैं कि उनका साथी कार में पहले खुद बैठने की बजाय उनके लिए कार का दरवाजा खोले। ये चाहत इसलिए नहीं है कि वह यह काम खुद नहीं कर सकती या फिर शारीरिक रूप से कमजोर हैं, वह सिर्फ अपने पार्टनर से एक स्नेह भरे रिश्ते की अपेक्षा रखती हैं। प्रकृति ने पुरुष को फिजिकली मजबूत बनाया है। वह मेहनत करता है, परिवार चलाता है। स्त्री उसका खयाल रखती है। आदिकाल से ऐसा ही होता रहा है लेकिन समय के साथ इसमें बदलाव भी आया है। अब स्त्रियां घर-ऑफिस साथ संभाल रही हैं। पुरुष उनकी मेहनत की कद्र करता है, लेकिन कहीं न कहीं वह इसका इजहार करने से चूक जाता है।

माथे पर बढ़ रही लकीरों को हटाएंगे ये होममेड मास्क

बिजी लाइफ के दौरान त्वचा का ख्याल नहीं रख पाते हैं। लेकिन जब कहीं जाना होता है तब हमें अपनी स्किन का ख्याल आता है, पर उस वक्त कोई उपाय नहीं सूझता है और बेकार मूड से फंक्शन में जाना पड़ता है। कोई बात नहीं अब भी केयर कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं कैसे माथे पर आ रही चिंता की लकीरों को हटाए कुछ ही दिनों में।

गाजर और अंडे का पैक

गाजर में मौजूद तत्व बीटा कैरोटीन, आयोडीन झुर्रियों को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही अंडे में भी पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो त्वचा में कसावट पैदा करते हैं। गाजर को मिक्सी में किस लें और एग व्हाइट को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर चेहरे पर लगा लें। 20 मिनट बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से धो लें। हफ्ते में कम से कम दो बार इस पैक का जरूर इस्तेमाल करें।

ऑलिव ऑयल और शहद

माथें पर उभरने वाले लकीरे आपकी खूबसूरती कम कर देती है। लेकिन 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दोनों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद रात को सोने सेपहले सिर पर लगा लें।सुबह उठकर मुंह को धो लें। हफ्ते में 2 या 3 बार ऐसा करें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

कोको पाउडर और ऑलिव ऑयल

माथे पर दिखती लकीरे आपको बहुत जल्दी शर्मिंदा करा देती है। लेकिन अब नहीं होना पड़ेगा। 1 चम्मच कोको पाउडर और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दानों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगा लें। फिर नॉर्मल पानी से धो लें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

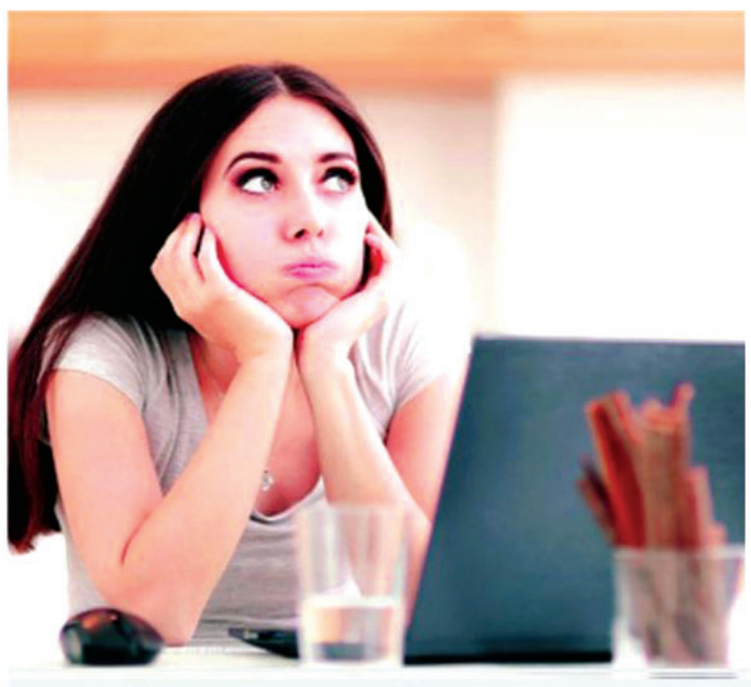

बोरियत को न बनाएं अपनी आदत!

सारा काम खत्म हो गया, डिनर के लिए बाहर जाने का मन नहीं है, इस सप्ताह कोई अच्छी फिल्म भी रिलीज नहीं हुई, समझ नहीं आ रहा क्या करें, कहां जाएं? आपको भी अपने आसपास अक्सर ऐसी बातें सुनने को मिलती होंगी। ऐसा सोचने या कहने का सीधा मतलब यही है कि व्यक्ति अपनी वर्तमान मनस्थिति से खुश ही है और इसी वजह से उसे बोरियत महसूस हो रही है।

समस्या की जड़ें

जब कभी जीवन में ठहराव आने लगता है तो इससे बोरियत पैदा होती है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी ने इंसान को काफी हद तक वर्कोहॉलिक बना दिया है। अब लोग दिन-रात मशीन की तरह काम में जुटे रहते हैं। जैसे ही उनका कार्य पूरा हो जाता है, उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है। आज लोगों के सामने मनोरंजन के विकल्पों का अंबार है, फिर भी वे बोरियत से परेशान रहते हैं। सीमित साधनों के बीच संतुष्ट और खुश रहना आसान है, लेकिन ढेर सारे विकल्प हमें केवल भ्रमित करते हैं और अंततः इनकी वजह से बोरियत पैदा होने लगती है।

बोर होते बच्चे

आजकल बच्चों को भी बहुत जल्दी बोरियत महसूस होती है। पुराने समय में बच्चे एक ही खिलौने से महीनों तक खेलते थे, पर आज के बच्चे दो ही दिनों के बाद अपने लिए नए खिलौने की मांग करने लगते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि अब पैरेंट्स के पास बच्चों के लिए समय नहीं है। इस समस्या से बचने के लिए वे छोटी उम्र से ही बच्चों को उनकी मनमर्जी का काम करने की छूट दे देते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों की फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस खत्म हो रही है। अगर माहौल उनकी पसंद के प्रतिकूल हो तो वे पांच मिनट में ही ऊबने लगते हैं। कभी-कभी बोरियत होना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह स्थायी मनोदशा बन जाए तो चिंताजनक है। बोरियत नकारात्मक विचारों की जड़ है। इससे व्यवहार में चिड़चिड़ापन आने लगता है। कार्यक्षमता और रिश्तों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी वजह से व्यक्ति को डिप्रेशन भी हो सकता है।

कैसे करें बचाव

खुद को बोरियत से बचाने के लिए जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। जिस तरह वर्कोहॉलिक होना नुकसानदेह है, उसी तरह ज्यादा आरामतलबी और मनोरंजन की अधिकता भी व्यक्ति को बहुत जल्दी बोर कर देती है। इन दोनों स्थितियों से बचते हुए दिनचर्या में संतुलन बनाए रखना चाहिए। जिस तरह शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए आप एक्सरसाइज करते हैं या जिम जाते हैं। ठीक उसी तरह दिमागी सेहत का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए फुर्सत के पलों में टीवी देखने के बजाय कोई अच्छी किताब पढ़ें, अपने करीबी लोगों से बातचीत करें या बागवानी करें। कोई भी ऐसी गतिविधि, जिसमें व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक ऊर्जा खर्च होती हो, वह उसे बोरियत से बचाती है। ऐसी समस्या से बचने के लिए सहनशीलता बहुत जरूरी है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

मजाक उड़ाता है सबका साथ, सबका विकास का नाराः खरगे

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यक समुदायों के बच्चों की छात्रवृत्ति के लाभार्थियों की संख्या में कथित गिरावट को लेकर मंगलवार को आरोप लगाया कि सबका साथ, सबका विकास का नारा कमज़ोर वर्गों के अरमानों का मज़ाक उड़ाता है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक चार्ट साझा किया जिसमें उल्लेख है कि एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक बच्चों के लिए छात्रवृत्ति के लाभार्थियों में भारी गिरावट आई है। खरगे ने 'एक्स' पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित एक पोस्ट में कहा, देश के एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक वर्ग के युवाओं की छात्रवृत्तियों को आपकी सरकार ने हथियाने का काम किया है। उन्होंने दावा किया कि ये शर्मनाक सरकारी आँकड़े बताते हैं कि सभी वज़ीफों में मोदी सरकार ने लाभार्थियों की संख्या में भारी कटौती तो की है, साथ ही औसतन साल-दर-साल 25 प्रतिशत फंड भी कम ख़र्च किया है।

क्या भाजपा में शामिल होंगे शशि थरूर?

नईदिल्ली। कांग्रेस नेतृत्व के साथ अपने मतभेदों की अफवाहों के बीच, सांसद शशि थरूर ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटेन के व्यापार और व्यापार राज्य सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ एक सेल्फी पोस्ट की। उन्होंने एक्स पर लिखा, अपने भारतीय समकक्ष, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की कंपनी में ब्रिटेन के व्यापार और व्यापार राज्य सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ शब्दों का आदान-प्रदान करके अच्छा लगा। लंबे समय से रुकी हुई एफटीए वार्ता फिर से शुरू हो गई है, जो स्वागत योग्य है। कथित तौर पर केरल एलडीएफ सरकार की औद्योगिक नीति की प्रशंसा करने के लिए शशि थरूर को पार्टी के भीतर से आलोचना का सामना करना पड़ा था। एक्स पर शशि थरूर की गूढ़ पोस्ट ने अटकलों को और हवा दे दी। उन्होंने शनिवार को लिखा, जहां अज्ञानता आनंद है, वहां बुद्धिमान होना मूर्खता है। रविवार को उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि अगर उनके नेतृत्व की जरूरत नहीं है तो उनके पास दूसरे विकल्प भी हैं।

लालू को झटका, बेटी और तेज प्रताप को कोर्ट ने किया तलब

नईदिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनके बेटे तेज प्रताप यादव और बेटी हेमा यादव को जमीन के बदले नौकरी घोटाले से जुड़े सीबीआई मामले में तलब किया। राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने लालू के छोटे बेटे और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को भी नया समन जारी किया और उन्हें 11 मार्च को पेश होने के लिए कहा। अदालत ने भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई की अंतिम आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के बाद समन जारी किया। एजेंसी ने मामले में 30 सरकारी अधिकारियों सहित 78 लोगों को नामित किया है। ईडी द्वारा जांच किए जा रहे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू यादव और उनके दोनों बेटों को पहले ही जमानत मिल चुकी है। कथित घोटाला 2004 और 2009 के बीच केंद्रीय रेल मंत्री के रूप में लालू प्रसाद के कार्यकाल का है। सीबीआई ने मई 2022 में लालू, उनके बेटे-बेटियों और पत्नी राबड़ी देवी के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

समाजवादी कब से आंबेडकर का सम्मान करने लगेः योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर कटाक्ष करते हुए पूछा, ''समाजवादियों ने आंबेडकर का सम्मान कब से करना शुरू कर दिया?'' उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी (सपा) ने अपने कार्यकाल में कन्नौज मेडिकल कॉलेज का नाम बदल दिया और आंबेडकर स्मारकों को तोड़कर विवाह भवन बनाने की योजना बनायी। राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान राज्य विधानसभा में अपने भाषण में मुख्यमंत्री ने अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली पार्टी पर निशाना साधते हुए उस पर भीमराव आंबेडकर, कांशीराम और अन्य दलित नेताओं के योगदान की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''आप समाजवादी कब से आंबेडकर को सम्मान देने लगे? 2012 में जब आपकी सरकार बनी थी, तब तत्कालीन मुख्यमंत्री ने कहा था कि आंबेडकर जी और अन्य सामाजिक न्याय के महापुरुषों के नाम पर बने स्मारकों को तोड़कर विवाह भवन बना देंगे।''

सज्जन कुमार को सिख दंगों में आजीवन कारावास की सजा

नईदिल्ली। दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने 1984 के सिख विरोधी दंगों, विशेष रूप से सरस्वती विहार हिंसा मामले में उनकी भूमिका के लिए पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यह कुमार को दी गई दूसरी आजीवन कारावास की सजा है, जो पहले से ही दिल्ली छावनी दंगा मामले में शामिल होने के लिए सजा काट रहे हैं। पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को 12 फरवरी को दंगा, गैरकानूनी सभा और हत्या आदि से संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया गया था। इससे पहले सिख विरोधी दंगों से संबंधित हत्या के एक मामले में अभियोजन पक्ष ने कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार के लिए मृत्युदंड की अपील की और इसे 'दुर्लभतम' अपराध करार दिया था। कुमार फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं। जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की एक नवंबर 1984 को हत्या कर दी गयी थी। हत्या के सिलसिले में पंजाबी बाग थाने ने मामला दर्ज किया था।

दिल्ली विधानसभा में सीएम रेखा गुप्ता ने पेश किया सीएजी रिपोर्ट

नईदिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली विधानसभा सत्र में विवादास्पद उत्पाद शुल्क नीति पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट पेश की। 14 कैग रिपोर्ट में से आज पहली कैग रिपोर्ट रखी गई है। रिपोर्ट, जिसमें अब खत्म हो चुकी शराब नीति में कथित अनियमितताओं को उजागर किया गया था, सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के बीच तीखी बहस के बीच पेश की गई। दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि आप को झगड़ों के अलावा कुछ नहीं आता। डॉ. बाबा साहब भीमराव अंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीरें कोई नहीं हटा सकता और न ही हमने हटाई हैं। वे सीएजी रिपोर्ट से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह का नाटक कर रहे हैं।

दिल्ली के मंत्री आशीष सूद ने कहा कि कुछ लोग (आप नेता) संविधान का पालन करना पसंद नहीं करते। पिछले 12 साल से सदन असंवैधानिक तरीके से चल रहा है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों को संविधान की अवहेलना का अधिकार नहीं है। एलजी के संबोधन के दौरान इस तरह का अशोभनीय व्यवहार बहुत गलत है। विधानसभा में बोलते हुए भाजपा विधायक अरविंदर सिंह लवली ने कहा कि मैं लंबे समय तक कांग्रेस पार्टी का भी हिस्सा रहा हूं। मैं दिल्ली सरकार का भी मंत्री रहा हूं। भगत सिंह ने क्या यह कहा था कि शराब घोटाले करके जेल जाओ। स्कूलों में घोटाले करो, हेल्थ में घोटाले करो। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार का मुख्यमंत्री ऐसे विभाग का मंत्री बना दिया, जो है ही नहीं। अरविंदर सिंह लवली ने कहा कि वे डरे हुए हैं और डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के पीछे छिपने की कोशिश कर रहे हैं। सीएजी रिपोर्ट पेश होने के बाद सच्चाई सामने आ जाएगी।

दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मंगलवार को उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना के अभिभाषण के दौरान नारेबाजी करने के आरोप में विपक्ष की नेता आतिशी सहित आम आदमी पार्टी (आप) के 12 विधायकों को दिन भर के लिए सदन की कार्यवाही से निलंबित कर दिया। आप के जिन नेताओं को सदन की कार्यवाही से निलंबित किया गया है उनमें आतिशी, गोपाल राय, वीर सिंह धींगान, मुकेश अहलावत, चौधरी जुबैर अहमद, अनिल झा, विषेश रवि और जरनैल सिंह शामिल हैं। विजेंद्र गुप्ता ने कैग रिपोर्ट को लेकर कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट ने कैग रिपोर्ट को लेकर बेहद गंभीर टिप्पणी की थी। कैग रिपोर्ट को पेश करने में लापरवाही बरती गई थी। कैग रिपोर्ट को पिछली सरकार ने जानबूझ कर रोके रखा था। उपराज्यपाल के पास समय रहते रिपोर्ट को नहीं भेजा गया था। आज एक रिपोर्ट पेश की गई है। रिपोर्ट कई हैं। मैं चाहता हूं कि हर विभाग की कैग रिपोर्ट को पेश किया जाए।

नई शराब नीति से दिल्ली सरकार को करीब 2000 हजार करोड़ का घाटा लगा। नई शराब नीति में पहले के एक व्यक्ति को एक लाइसेंस मिलता था। लेकिन नई नीति में एक शख्स को दो दर्जन से ज्यादा लाइसेंस ले सकता था। पहले दिल्ली में 60 फीसदी शराब की बिक्री 4 सरकारी कॉर्पोरेशन से होती थी। लेकिन नई शराब नीति में कोई भी निजी कंपनी रिटेल लाइसेंस ले सकती है। शराब बिक्री का कमीशन 5 फीसदी से बढ़ाकर 12 फीसदी किया गया।

कैग रिपोर्ट में बताया गया है कि थोक का लाइसेंस शराब वितरक और शराब निर्माता कंपनियों को भी दे दिया गया, जो कि उल्लंघन था। नीति में कोई भी निजी कंपनी रिटेल लाइसेंस ले सकती है। लाइसेंस देने से पहले आर्थिक या आपराधिक कोई जांच नहीं की गई। लिक्कर जाइन के लिए 100 करोड़ के निवेश की जरूरत होती थी। लेकिन नई पॉलिसी में इसे खत्म कर दिया गया। कैग की रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि शराब लाइसेंस देने में राजनीतिक दखल और भाई भतीजा वाद हुआ।

एलजी के अभिभाषण के बीच आप विधायकों का हंगामा, पूरे दिन के लिए निलंबित

नईदिल्ली। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी सहित आम आदमी पार्टी (आप) के कम से कम 12 विधायकों को अब खत्म हो चुकी शराब नीति पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट पेश करने पर हंगामे के कारण विधानसभा सत्र से दिन भर के लिए निलंबित कर दिया गया है। दिन का सत्र शुरू होते ही उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सदन को संबोधित किया। हालाँकि, उनके भाषण को आप विधायकों ने बाधित किया। उन्होंने भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की।

स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने विधायकों से शांत रहने का कई बार अनुरोध किया, लेकिन वे उपराज्यपाल के भाषण को बाधित करते रहे। परिणामस्वरूप, अध्यक्ष ने विधायकों को दिन भर के लिए निलंबित कर दिया। अपने निलंबन के बाद विधायकों ने विधानसभा परिसर में धरना दिया, आतिशी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने मुख्यमंत्री कार्यालय से बीआर अंबेडकर की तस्वीर हटाकर उनका अपमान किया है। पूर्व सीएम और दिल्ली एलओपी आतिशी ने कहा कि भाजपा ने दिल्ली सचिवालय और विधानसभा में मुख्यमंत्री कार्यालय के साथ-साथ दिल्ली सचिवालय में सभी मंत्रियों के कार्यालयों में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की तस्वीर के स्थान पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर लगा दी है।

उन्होंने सवाल किया कि क्या वे मानते हैं कि प्रधान मंत्री बाबा साहेब अंबेडकर से बड़े हैं और उनकी जगह ले सकते हैं? आप विधायक गोपाल राय ने कहा कि हम भी चाहते हैं कि सीएजी रिपोर्ट पेश की जाए ताकि सच्चाई सामने आए। सोमवार को जिस तरह से उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर और शहीद भगत सिंह का अपमान किया, वह बीजेपी की मंशा को दर्शाता है। बीजेपी विधायक तरविंदर सिंह मारवाह ने कहा कि विधानसभा में पेश होने वाली सीएजी रिपोर्ट, राज्यपाल के अभिभाषण, पिछली सरकार द्वारा किए गए घोटालों पर चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री ने किया एडवांटेज असम 2.0 का आगाज

राजनीतिक स्थिरता, सुशासन और सुधारों ने भारत के प्रति दुनिया की उम्मीदें बढ़ाईं: मोदी

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भाजपा शासन के दौरान असम की अर्थव्यवस्था का मूल्य दोगुना होकर छह लाख करोड़ रुपये हो गया, यह 'डबल इंजन' सरकार का असर है। वह असम व्यापार शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत की आर्थिक वृद्धि निश्चित बनी है। मध्यम वर्ग की आकांक्षाओं ने देश के विकास की उम्मीद जगाई है। मोदी ने दावा किया कि असम स्टार्ट-अप इकाइयों का गंतव्य बन रहा है, जल्द ही पूर्वोत्तर के लिए विनिर्माण केंद्र बन जाएगा। उन्होंने दावा किया कि राजनीतिक स्थिरता, सुशासन और सुधारों ने भारत के प्रति दुनिया की उम्मीदें बढ़ाईं।

मोदी ने कहा कि आज भारत अपनी स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत कर रहा है। आज भारत, दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों कर रहा है। ईस्ट एशिया के साथ हमारी कनेक्टिविटी लगातार सशक्त हो रही है और नया बन रहा भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा भी अनेक नई संभावनाएं लेकर आ रहा है। उन्होंने कहा कि आज जब भारत विकास की ओर बढ़ रहा है तो एक बार फिर पूर्वी भारत सबसे आगे है। हमारा नॉर्थ ईस्ट अपना सामर्थ्य दिखाने जा रहा है। मैं एडवांटेज असम को इसी भावना के प्रतिनिधित्व के रूप में देखता हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं असम सरकार और हिमंता जी की पूरी टीम को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई देता हूं। मुझे याद है कि 2013 में मैं चुनाव प्रचार के लिए असम के दौरे पर था। एक मीटिंग में मेरे मन में एक वाक्य आया और मैंने वर्णमाला पढ़ते-पढ़ते कहा कि अब दिन दूर नहीं, कहो ए फॉर असम। उन्होंने कहा कि सरकार देश के आधारभूत संरचना पर भी बहुत बड़ा इन्वेस्टमेंट कर रही है। संस्थागत सुधार, उद्योग, बुनियादी ढाँचा और नवाचार भारत की प्रगति का आधार है। इसलिए इंवेस्टर भी देश के क्षमता को उनकी और देश की प्रगति की संभावना को बदलता हुआ देख रहे हैं। इस प्रगति में असम भी डबल इंजन की स्पीड से आगे बढ़ रहा है।

मोदी ने दावा किया कि भारत ने अपने विनिर्माण क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए मिशन मोड पर काम शुरू किया है। हम मेक इन इंडिया के तहत कम लागत विनिर्माण को बढ़ावा दे रहे हैं। असम की क्षमताओं का एक उदाहरण असम चाय है। इस ब्रांड ने 200 साल पूरे कर लिए हैं। यह विरासत असम को अन्य क्षेत्रों में भी उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में भारत ने अपनी पर्यावरणीय जिम्मेदारियाँ को समझते हुए भी नीतिगत निर्णय लिए हैं। दुनिया हमारे नवीकरणीय ऊर्जा मिशन को एक मॉडल अभ्यास का पालन कर रही है।

इससे पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि 2030 तक असम की अर्थव्यवस्था 143 अरब डॉलर की हो जाएगी। उन्होंने निवेशकों से राज्य की विकास यात्रा हिस्सा बनने का आग्रह भी किया। यहां दो दिवसीय 'एडवांटेज' असम 2.0 निवेश और अवसंरचना शिखर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में सीएम ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य अब सबसे अशांत से सबसे शांत राज्य बन गया है। उन्होंने दावा किया, इस साल राज्य की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि 15.2 प्रतिशत होगी। यह 2030 तक 143 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

खेल
प्रमुख समाचार

16 साल में पहली बार ग्रुप चरण से बाहर हुई पाकिस्तान

नई दिल्ली। गत चैंपियन और मेजबान पाकिस्तान का सफर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में ग्रुप चरण में ही थम गया है। न्यूजीलैंड की बांग्लादेश पर पांच विकेट से जीत के साथ ही पाकिस्तान की सभी उम्मीदें खत्म हो गई और ग्रुप ए से भारत तथा न्यूजीलैंड सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहे। मोहम्मद रिजवान की अगुआई वाली पाकिस्तान टीम शुरुआत के दोनों ही मुकाबले में चुनौती पेश नहीं कर सकी और उसने कई गलतियां की जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा। दिलचस्प बात यह है कि 19 फरवरी को इस आईसीसी टूर्नामेंट की शुरुआत हुई और छह दिन बाद ही मेजबान टीम का सफर खत्म हो गया।

पाकिस्तान को टूर्नामेंट शुरू होने से पहले उस वक्त झटका लगा था जब उसके स्टार ओपनर सईम अयूब चोट से उबर नहीं सके और चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए। उनकी जगह टीम में शामिल किए गए फखर जमां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच की दूसरी ही गेंद पर फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए जिससे भारत के खिलाफ मैच के लिए उपलब्ध नहीं हो सके। गेंदबाजी विभाग भी उतना प्रभावशाली नहीं रहा क्योंकि तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी और नसीम शाह विपक्षी टीम के बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी नहीं कर सके।

पाकिस्तान की टीम में अबरार अहमद के तौर पर सिर्फ एक विशेषज्ञ गेंदबाज था, लेकिन उनका समर्थन करने के लिए दूसरे छोर पर स्पिनर की कमी थी। यह भी पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन का एक कारण रहा। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले पाकिस्तान ने अपने घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज में हिस्सा लिया था, लेकिन फाइनल में उसे हार मिली थी। कागजों में यह टीम कमजोर दिख रही थी, लेकिन माना जा रहा था कि घरेलू परिस्थितियों में पाकिस्तान कुछ दम दिखा सकता है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स ने गिरावट को तोड़ा निफ्टी 22,548 पर सपाट बंद

नईदिल्ली। वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच घरेलू शेयर बाजार मंगलवार (25 फरवरी) को दिन की अच्छी बढ़त गंवाने के बाद मिलेजुले रुख के साथ बंद हुए। सेंसेक्स हरे निशान में बंद हुआ जबकि निफ्टी50 मामूली गिरावट लेकर लगभग सपाट बंद हुआ। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज मामूली गिरावट के साथ 74,440 पर ओपन हुआ। कारोबार के दौरान यह 300 से ज्यादा अंक चढ़कर 74,785 तक चला गया था। अंत में सेंसेक्स 147.71 अंक या 0.20% की बढ़त लेकर 74,602 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 आज गिरावट के साथ 22,516.45 पर खुला। हालांकि, खुलते ही यह हरे निशान में आ गया था और कारोबार के दौरान 22,625 तक चढ़ गया था। अंत में यह अपनी दिन की बढ़त गंवाते हुए 5.80 अंक या 0.03% की मामूली गिरावट लेकर 22,547 पर बंद हुआ।

असम में एक लाख करोड़ करोड़ का निवेश करेंगे अदाणी और अंबानी

गुवाहाटी। देश के दो सबसे बड़े कारोबारी समूह अदाणी और अंबानी पूर्वोत्तर के राज्य असम को निवेश का बड़ा तोहफा देने जा रहे हैं। दोनों ही समूह के मुखिया गौतम अदाणी और मुकेश अंबानी ने मंगलवार को प्रदेश में 50-50 हजार करोड़ रुपये के निवेश का एलान किया। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने मंगलवार को एलान किया उनका समूह राज्य में विभिन्न क्षेत्रों में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। उन्होंने यह बात गुवाहाटी में आयोजित 'एडवांटेज असम शिखर सम्मेलन' के उद्घाटन समारोह में कही। अदाणी ने कहा कि उनका समूह असम और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास को रफ्तार देने के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी ऐसे निवेश जारी रहेंगे। अदाणी ने कहा, हम असम में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे।

ट्रंप ने चार भारतीय कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

वॉशिंगटन। अमेरिका ने पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उद्योग से जुड़ी कई कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं। जिन कंपनियों पर अमेरिका की ओर से यह प्रतिबंध लगाए गए हैं। उन सभी का जुड़ाव ईरान के तेल उद्योग से है। प्रतिबंधित की गई इन कंपनियों में कुछ भारतीय कंपनियां भी शामिल हैं। अमेरिका की ओर से यह कदम ईरान पर दवाब बनाने के लिए लगाए हैं। सोमवार को अमेरिका ने ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उद्योग से कथित जुड़ाव के लिए 16 कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया जिनमें से चार भारतीय कंपनियां भी शामिल हैं। अमेरिकी वित्त विभाग द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, प्रतिबंधित भारतीय कंपनियां ऑस्टिनशिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, बीएसएम मरीन एलएलपी, कॉसमॉस लाइन्स इंक और फ्लक्स मैरीटाइम एलएलपी हैं।

टाटा और एयरटेल डीटीएच बिजनेस के मर्जर की तैयारी

नई दिल्ली। टाटा और भारती ग्रुप अपने घाटे में चल रहे डीटीएच बिजनेस के मर्जर की तैयारी में हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, टाटा ग्रुप के टाटा प्ले और एयरटेल के डिजिटल टीवी के मर्जर का फैसला ऐसे समय लिया गया है जब लोग टीवी के बजाय ऑनलाइन वीडियो और लाइव स्ट्रीमिंग देखना पसंद कर रहे हैं। यह मर्जर शेयरों की अदला-बदली के जरिए होगा। इससे एयरटेल के नॉन-मोबाइल रेवेन्यू में इजाफा होगा। सूत्रों का कहना है कि इस जॉइंट वेंचर में एयरटेल की 50% से अधिक हिस्सेदारी होगी। टाटा प्ले भारत की सबसे बड़ी डीटीएच प्रोवाइडर है जिसे पहले टाटा स्काई के नाम से जाना जाता था। टाटा प्ले की शुरुआत रूपर्ट मर्डोक के न्यूज कॉर्प के साथ एक जॉइंट वेंचर के रूप में हुई थी। इस मर्जर से एयरटेल को टाटा प्ले के 1.9 करोड़ घरों तक पहुंच मिल जाएगी।

फिलहाल तो डॉलर के मुकाबले कोई नहीं है

अजित रानाडे

पिछले नवंबर में अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत निर्णायक रही। अमेरिकी संसद के निचले सदन यानी प्रतिनिधि सभा या कांग्रेस तथा ऊपरी सदन सीनेट में उनकी पार्टी का बहुमत है। व्हाइट हाउस पर भी उनका नियंत्रण है। इस तिहरे बहुमत को वहां 'गवर्निंग ट्रिफेक्टा' कहते हैं। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के महज तीन सप्ताह में ही ट्रंप ने कुल 64 कार्यकारी आदेशों के जरिये अपनी बढ़ी हुई ताकत का प्रदर्शन किया है। अपने पिछले राष्ट्रपति काल के विपरीत परंपरावादी न्यायपालिका पर भी उनका दो तिहाई बहुमत है। अगर अमेरिका में पैदा होने पर अमेरिकी नागरिकता मिल जाने के अधिकार को वह खत्म करना चाहें, तो इसमें न्यायपालिका में उनका बहुमत महत्वपूर्ण होगा, इसलिए वह फैसला लेने के लिए उन्हें संविधान संशोधन करना पड़ेगा, जिसे सुप्रीम कोर्ट में निश्चय ही चुनौती दी जाएगी।

बताया यह जा रहा है कि चुनावी जीत के बाद से ट्रंप की लोकप्रियता में 10 फीसदी की और वृद्धि हुई है। इसका मतलब यह है कि उन्हें वोट न देने वाले बहुतेरे लोग भी अब उनकी नीतियों का समर्थन कर रहे हैं। ये नीतियां हैं-व्यापार भागीदारों के खिलाफ शुल्क के जरिये कार्रवाई, अवैध प्रवासियों के खिलाफ कठोर कदम, दुनिया के दूसरे हिस्सों में जारी खर्चीले युद्धों से हाथ खींचना, नाटो सहयोगियों पर दबाव बढ़ाना तथा सरकार का आकार घटाना। ट्रंप ने 'जैसे को तैसा' की रणनीति के तहत अपने व्यापार साझेदार देशों पर जवाबी शुल्क लगाने की धमकी दी है। नतीजा यह है कि भारत ने तुरंत ही अमेरिकी बार्बन व्हिस्की पर आयात शुल्क 150 फीसदी से घटाकर 100 प्रतिशत कर दिया है।

हार्ले डेविडसन मोटरसाइकिल पर आयात शुल्क पहले ही घटा दिया गया था। अमेरिका के साथ व्यापार में भारत 30 अरब डॉलर के लाभ में रहता है, और ट्रंप इसे ही कम करना चाहते हैं। चूंकि रक्षा क्षेत्र में अमेरिका से एफ 35 फाइटर जेट्स और दूसरे उपकरण खरीदे जाने हैं, ऐसे में, उम्मीद है कि अमेरिका तब अपनी कसर निकाल लेगा। अलबत्ता ट्रंप की कुछ सोच अंतर्विरोधी हैं। एक तरफ वह व्यापार घाटा कम करना तथा डॉलर को सस्ता करना चाहते हैं। दूसरी ओर, वह चाहते हैं कि डॉलर दुनिया की सबसे मजबूत और वर्चस्व वाली मुद्रा बना रहे। उन्होंने ब्रिक्स देशों को धमकाया है कि अगर उन्होंने अपना व्यापार डॉलर से इतर दूसरी मुद्रा में किया, तो उनके आयातों पर 100 फीसदी आयात शुल्क थोपा जाएगा। ट्रंप डॉलर को एक ही साथ कमजोर और मजबूत मुद्रा कैसे बनाये रख सकते हैं? तथ्य यह है कि डॉलर इंडेक्स पिछले 25 साल में सबसे अधिक ऊंचाई पर पहुंच गया है।

डॉलर की इस मजबूती और आधिपत्य की वजह क्या है? क्या ट्रंप के राजनीतिक समर्थन और लोकप्रियता में वृद्धि के कारण डॉलर मजबूत हुआ है? या 'गवर्निंग ट्रिफेक्टा' की ट्रंप की उपलब्धि से डॉलर को पंख लग गये हैं? हालांकि यह 'गवर्निंग ट्रिफेक्टा' भी नाकाफी है, क्योंकि उच्च सदन सीनेट में बिल को कानून की शक्ल लेने के लिए 60 फीसदी बहुमत चाहिए, जो कि अभी ट्रंप के पास नहीं है। रिपब्लिकन पार्टी के भीतर की सुगबुगाहटें बताती हैं कि सरकार का आकार घटाने और लाभों में कटौती करने जैसे ट्रंप के फैसलों की आलोचना भी हो रही है। फिर डॉलर की मजबूती के क्या कारण हो सकते हैं? पहला कारण तो यही है कि डॉलर के मुकाबले कोई दूसरी करेंसी फिलवक्त विश्व बाजार में नहीं है। न पाउंड स्टर्लिंग, जो दूसरे विश्वयुद्ध के बाद कभी उबर नहीं पाया, न 1999 में अस्तित्व में आया यूरो और न ही चीनी युआन। विश्व व्यापार में अमेरिकी हिस्सेदारी बेशक बहुत ज्यादा नहीं, मात्र 11 प्रतिशत है। लेकिन वैश्विक जीडीपी में अमेरिकी अर्थव्यवस्था का योगदान सर्वाधिक एक चौथाई है। ट्रंप की परेशानी का एक बड़ा कारण यह है कि अमेरिका का व्यापार घाटा एक ट्रिलियन (10 लाख करोड़) डॉलर है। जबकि चीन का व्यापार लाभ लगभग इतना ही है, जिसका एक तिहाई अमेरिका के साथ व्यापार में है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.